mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-48 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 फरवरी 2026 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

स्वदेशी तकनीक से फिर चालू किया न्यूक्लियर पावर प्लांट

ऐसा करने वाला भारत बना एशिया का पहला देश

मुंबई,एजेंसी। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा उत्पादन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित देश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र (टीएपीएस) की यूनिट-1 जीर्णोद्धार के बाद पुनः 160 मेगावाट का बिजली उत्पादन करने लगा है।

इस प्रकार भारत किसी परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पूर्णतया स्वदेशी तकनीक से जीवनकाल विस्तार देने वाला एशिया का पहला देश बन गया है। कुछ ही महीनों में 160 मेगावाट क्षमता वाले टीएपीएस-2 का जीर्णोद्धार पूरा हो जाएगा।

1969 में चालू किए गए टीएपीएस-1 और टीएपीएस-2, पूर्व में सोवियत संघ के बाहर एशिया के पहले परमाणु ऊर्जा रिएक्टर थे। नाभिकीय विद्युत कार्यक्रम की श्रृंखला में इन दोनों परमाणु रिएक्टरों की कहानी केवल दीर्घायु की कहानी नहीं है, बल्कि निरंतर सीखने, अनुकूलन और नवीनीकरण की भी कहानी है।

15 से 20 वर्षों तक फिर से सेवाएं देंगे टीएपीएस-1 और टीएपीएस-2 :सामान्यतया परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की आयु 40 से 50 वर्ष मानी जाती है। इसके बाद ज्यादातर देश अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को डी-कमीशन कर देते हैं। जबकि 1969 में शुरू हुए टीएपीएस-1 एवं टीएपीएस-2 अपने पहले कार्यकाल में 57 वर्ष सेवाएं देने के बाद भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत, गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता तथा पूर्णतया भारतीय तकनीक के बल एक बार फिर जवान होकर अगले 15-20 वर्षों तक सेवा देने के लिए तैयार हो गए हैं।

पूरा हुआ जीर्णोद्धार :160 मेगावाट क्षमता वाले टीएपीएस-1 को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ जा चुका है, और इतनी ही क्षमता वाले टीएपीएस-2 को कुछ ही महीनों में राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ दिया जाएगा।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के अधिकारियों के अनुसार, पांच दशकों से अधिक समय तक सुरक्षित संचालन के बाद इन दोनों इकाइयों को नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और वृद्धावस्था प्रबंधन गतिविधियों के लिए 2020 में बंद कर दिया गया था। छह वर्षों में कड़े नियामक निरीक्षण के तहत इन दोनों संयंत्रों का जीर्णोद्धार पूरा कर लिया गया है।

क्या हैं प्रमुख गतिविधियां?

प्रमुख गतिविधियों में रिएक्टर के पुनर्संचरण पाइपिंग को उन्नत संक्षारण-प्रतिरोधी सामग्री से बदलना, 3डी लेजर स्कैनिंग, टरबाइन-जनरेटर प्रणाली का नवीनीकरण और विद्युत प्रणालियों में सुधार शामिल थे। इस प्रकार के रिएक्टर में इतनी जटिल गतिविधियों का सफल समापन, एनपीसीआईएल की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और मजबूत नवीनीकरण और आधुनिकीकरण क्षमता को दर्शाता है। **जमकर किया बिजली का उत्पादन** :अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, टीएपीएस-1 और टीएपीएस-2 ने 1,00,000 मिलियन यूनिट से अधिक स्वच्छ बिजली का उत्पादन किया है, जिससे पर्यावरण में 86 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन को रोका जा सका है। इन उच्च स्तरीय, जटिल और विशिष्ट गतिविधियों की सफल समाप्ति ने एक बार फिर एनपासीआईएल की विशेषज्ञता, परिपक्वता और क्षमता पर मुहर लगा दी है। टीएपीएस-1 और 2 पहली पीढ़ी के बीडब्ल्यूआर (उबलते पानी से चलनेवाले रिएक्टर) हैं। इनमें लो एनरिच्ड यूरेनियम को कूलेंट एवं मॉडरेटर के रूप में उपयोग किया जाता है। दोनों इकाइयों ने 31 अक्टूबर 1968 को प्रारंभिक पूर्णता प्राप्त कर ली और 1969 की शुरुआत में ही इन्हें ग्रिड के साथ सिंक्रनाइज कर दिया गया था। टीएपीएस-1 ने 28 अक्टूबर 1969 को व्यावसायिक परिचालन शुरू किया, जिसके तुरंत बाद यूनिट-2 भी शुरू हो गई।

एआई इंपैक्ट समिट का दूसरा दिन:

पीएम मोदी ने लोगों के हित के लिए टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दूसरे दिन लोगों के हित के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर जोर दिया।

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'बुद्धिमत्ता, तर्कशीलता और निर्णय-क्षमता विज्ञान और टेक्नोलॉजी को जन-जन के लिए उपयोगी बनाती हैं। India AI Impact Summit का उद्देश्य भी यही है कि कैसे एआई का इस्तेमाल सर्वजन के हित में हो।'

संस्कृत का श्लोक भी था शामिल :पीएम मोदी की पोस्ट में शुश्रूषा श्रवणं चैव ग्रहणं धारणां तथा। ऊहापोहोऽर्थविज्ञानं तत्त्वज्ञानं च धीगुणाः॥ एक संस्कृत श्लोक भी था, जिसका मतलब था 'सुनने की इच्छा, ध्यान से सुनना, समझना, याद रखना, तर्क करना, फैसला लेना, मतलब समझना और सिद्धांतों का ज्ञान ये सभी बुद्धि के गुण हैं और बुद्धि की नींव बनाते हैं।'

सोमवार को समिट के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्सपो के उद्घाटन के दौरान जिम्मेदार और सबको साथ लेकर चलने वाले एआई के लिए भारत के कमिटमेंट पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने स्टार्टअप्स, रिसर्चर्स और टेक्नोलॉजी लीडर्स समेत एग्जिबिटर्स से बातचीत की, जिन्होंने अलग-अलग सेक्टर्स में एआई एप्लीकेशन्स दिखाए।

देश में एआई में दो सालों में आएगा 200 अरब डॉलर निवेश : अशिवनी वैष्णव

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अशिवनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि आने वाले दो वर्षों में भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की पांचों परतों (एआई स्टैक) में 200 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश आने की उम्मीद है। जोखिम पूंजी कंपनियां गहन तकनीक स्टार्टअप्स, बड़े समाधान और अनुप्रयोगों, अत्याधुनिक मॉडल्स पर शोध और बुनियादी ढांचा और ऊर्जा परतों में निवेश कर रही हैं। इस मौके पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जीतिन प्रसाद भी मौजूद रहे। वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में एक सत्र में कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत यह है कि देश की 51 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से आती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता के कारण यह संभव हुआ है। एआई के लिए ऊर्जा परत में निवेश का यह बड़ा लाभ भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। उन्होंने एआई के संभावित खतरों को बताते हुए कहा कि वैश्विक नेताओं के बीच इस बात पर सहमति बन रही है कि एआई का इस्तेमाल अच्छे कार्यों के लिए होना चाहिए और इसके हानिकारक प्रभावों को रोकना जरूरी है। इसके लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि तकनीकी और कानूनी दृष्टिकोण अपनाना होगा।

भारत ने ईरान से जुड़े तीन तेल टैंकर जब्त किए, नाम-झंडा भी बदला; अमेरिका ने लगाया था प्रतिबंध

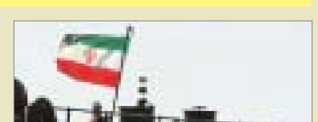

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इस महीने तीन अमेरिकी प्रतिबंधित तेल टैंकर जब्त किए, जो ईरान से जुड़े थे। इस कदम का उद्देश्य अपनी समुद्री सीमा में अवैध तेल व्यापार और जहाजों के बीच छिपे हुए ट्रांसफर को रोकना है, जिससे तेल की वास्तविक उत्पत्ति का पता नहीं चलत। सूत्रों के अनुसार इन तीन टैंकरों (स्टेलर रूबी, अस्फाल्ट स्टार और अल जफजिआ) ने अक्सर अपनी पहचान बदलकर कानून से बचने की कोशिश की। इन टैंकरों के मालिक विदेशों में स्थित हैं। जबकि ईरान की राष्ट्रीय तेल कंपनी ने बताया कि इन तीन टैंकरों का उनके साथ कोई संबंध नहीं था। **भारतीय तटरक्षक की सक्रिय निगरानी** :भारतीय तटरक्षक ने अपने समुद्री क्षेत्रों में चौबीसों घंटे निगरानी के लिए लगभग 55 जहाज और 10-12 विमान तैनात किए हैं। पिछले महीने ही एक अंतरराष्ट्रीय तेल तस्करी गिरोह को भी तटरक्षक ने पकड़ा था। सूत्रों के अनुसार, ये टैंकर बड़े पैमाने पर सस्ते तेल और तेल आधारित माल को मध्य समुद्र में अन्य जहाजों में ट्रांसफर कर तस्करी करते थे। बताया गया है कि ये जहाज पहचान छिपाने के लिए बार-बार अपना नाम, झंडा और अन्य पहचान बदल रहे थे। भारत की तटरक्षक टीम ने इलेक्ट्रॉनिक डेटा, दस्तावेजों की जांच और क्रू से पूछताछ कर अपराधियों के काम करने का तरीका उजागर किया।

पंजाब मुख्यमंत्री को घातक केमिकल पोलोनियम देने का दावा,अस्पताल में भर्ती

खालिस्तानी संगठन की इसे बम से उड़ाने की धमकी झूठी निकली

मोहाली, एजेंसी। मोहाली के स्कूलों को धमकी भरी ई-मेल भेजकर स्कूलों के साथ फोर्टिस अस्पताल को भी उड़ाने की धमकी दी गई। इसी फोर्टिस अस्पताल में पंजाब के सीएम भगवंत मान सोमवार दोपहर बाद भर्ती हुए थे। धमकी भरी मेल में ब्लास्ट का टाइम मंगलवार दोपहर 1.11 बजे दिया गया था लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। खालिस्तान नेशनल आर्मी नामक संगठन की भेजी यह धमकी झूठी निकली।

इस धमकी की मेल में दावा किया गया था कि सीएम भगवंत मान को भाई दिलावर सिंह के वारिसों ने पोलोनियम से संक्रमित किया है। अगर वह बच गए तो बेअंत जैसा हाल करेंगे।

फोर्टिस अस्पताल से छ्रू भगवंत मान की लाश ही निकलेगी। पंजाब के दिवंगत पूर्व सीएम बेअंत सिंह को दिलावर सिंह नाम के कॉन्स्टेबल ने चंडीगढ़ सचिवालय में मानव बम से उड़ाया गया था।

पोलोनियम दुर्लभ रेडियोएक्टिव पदार्थ है, जो अत्याधिक विषैला होता है। हालांकि सीएम को पोलोनियम से संक्रमित कब, कहां और कैसे किया गया, इसको लेकर थ्रेट मेल में कोई जिक्र नहीं था।

फोर्टिस अस्पताल या पंजाब सरकार ने भी ऐसी किसी बात की कोई पुष्टि नहीं की है। मगर, सीएम से जुड़ा मामला देखते हुए फोर्टिस अस्पताल में 5 बम निरोधक दस्ते बुलाकर जांच की गई।

मोहाली के SP सिटी दिलप्रीत सिंह ने कहा कि सुबह साढ़े 7 बजे स्कूलों को मेल आई थी, जिसमें स्कूल और अस्पताल उड़ाने की धमकी दी गई थी। जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

बता दें कि सीएम पहले रविवार को ब्लड प्रेशर बढ़ने पर मोहाली अस्पताल में भर्ती हुए थे। फिर सोमवार को डिस्चार्ज होकर मोगा में आप सरकार की नशा विरोधी रैली में हिस्सा लेने गए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वहां सांस लेने में तकलीफ होने पर सोमवार शाम करीब 5 बजे उन्हें यहां फिर भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने अभी उनकी सेहत को लेकर बुलेटिन जारी नहीं किया है।

धमकी भरे ई-मेल में क्या लिखा था

हंटर फार्ले के नाम से जीमेल के जरिए भेजे ई-मेल में पंजाब को खालिस्तान बताते हुए कहा गया है अपने बच्चे बचा लो और मोहाली के स्कूल बंद रखो। मेल में लिखा गया है कि यह खालिस्तान रेफरेंडम वालों को गैंगस्टर बताकर उनका एनकाउंटर लेने का बदला है। मेल के अंत में खालिस्तान नेशनल आर्मी का नाम लिखा है। इसके साथ इंजीनियर गुरनाख सिंह, रुकन शाहवाला, डॉ. गुरनिरवीर सिंह और खान राजादा का जिक्र है। हालांकि इससे पहले भी अमृतसर, जालंधर, पटियाला, मोहाली और चंडीगढ़ के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है, लेकिन हर बार यह खोखली निकली और कोई धमाका नहीं हुआ। इस बार सीएम भगवंत मान को लेकर धमकी की वजह से पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

अजित पवार प्लेन क्रैश की जांच में AAIB जुटी

DGCA बोला-डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर का डेटा मिला; भतीजे रोहित ने साजिश की आशंका जताई

नई दिल्ली/मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के प्लेन क्रैश की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) को सौंपी गई है। मंगलवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (DGCA) ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा- 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में Learjet-45 (VT-SSK) विमान क्रैश की जांच AAIB कर रहा है। जो दुर्घटना और घटना जांच नियम, 2017 और ICAO Annex-13 के इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के तहत की जा रही है।

DGCA ने बताया प्लेन में दो फ्लाइट रिकॉर्डर लगे थे, जो हादसे के दौरान लंबे समय तक आग और अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहे।

बढ़ती मुस्लिम आबादी पर सीएम सरमा चिंतित, कहा- संघर्ष के दौरान कुछ लोग बांग्लादेश का कर सकते हैं समर्थन

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को राज्य में मुस्लिम आबादी में बढ़ोतरी को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि असम की वर्तमान स्थिति 'बहुत अच्छी नहीं' है और इसके पीछे बड़े पैमाने पर हुई अवैध घुसपैठ जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि असम में मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा बांग्लादेश से अवैध रूप से आया है। उनके अनुसार, यह घुसपैठ मुख्य रूप से उस समय हुई जब राज्य और केंद्र में कांग्रेस की सरकारें थीं। उन्होंने कहा कि उन सरकारों ने सीमाओं की सही तरीके से निगरानी नहीं की, जिससे राज्य की जनसांख्यिकीय संतुलन प्रभावित हुई है। सीएम सरमा ने यह भी दावा किया कि राज्य के कुछ लोग भविष्य में किसी भी संघर्ष की स्थिति में बांग्लादेश का समर्थन कर सकते हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठ असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

मोदी बोले- भारत एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलिकॉप्टर बनाएगा

फ्रांस को स्पेशल पार्टनर बताया; मैक्रों बोले- भारत पर भरोसा इसलिए टेक्नोलॉजी शेयर करते हैं

मुंबई, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मंगलवार को भारत पहुंचे हैं। इस दौरान मुंबई में उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने मिलकर H-125 हेलिकॉप्टरों की असेंबली लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर भारत में ऐसे हेलिकॉप्टर का निर्माण करेंगे, जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भरेगा।

मोदी ने फ्रांस को भारत का स्पेशल पार्टनर बताया और कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' लेवल तक अपग्रेड करने का फैसला किया है।

'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का मतलब है कि दोनों देश सिर्फ व्यापार या हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री इलाकों की सुरक्षा और बड़े वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करेंगे।

राष्ट्रपति बनने के बाद चौथी बार भारत पहुंचे मैक्रों: राष्ट्रपति बनने के बाद मैक्रों का यह चौथा भारत दौरा है। इससे पहले वे मार्च 2018 में पहली बार भारत आए थे। इसके बाद वे सितंबर 2023 में ळ20 समिट के लिए और जनवरी 2024 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनकर आए थे। भारत और फ्रांस के बीच 1998 से रणनीतिक साझेदारी है और दोनों देश रक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साथ काम करते हैं। यह दौरा भी इसी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

'हम एआई के दौर में हैं', वांगचुक से जुड़े मामले में वीडियो ट्रांसक्रिप्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा वीडियो के अनुवाद पर सवाल उठाते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में अनुवाद सटीक होने चाहिए। वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल द्वारा अनुवाद पर आपत्ति जताए जाने के बाद जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वरेल की पीठ ने अतिरिक्त सालिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि वह सरकार से वांगचुक के बयान के असल अनुवाद चाहते हैं।

पीठ ने क्या कहा? सिब्बल ने दलील में कहा कि अनुवाद में उन शब्दों को भी शामिल किया गया है, जो वांगचुक ने कहे ही नहीं। पीठ ने कहा कि श्रीमान सालिसिटर, हम भाषण का वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट चाहते हैं। वह जिस पर भरोसा कर रहे हैं और आप जो कह रहे हैं, दोनों अलग हैं। हम तय करेंगे। वांगचुक जो कह रहे हैं उसका असल अनुवाद होना चाहिए। आपके अपने कारण हो सकते हैं। पीठ ने कहा कि वांगचुक का भाषण केवल तीन मिनट का है, जबकि आप जो अनुवाद ले आए हैं, वह सात से आठ मिनट का है। जो उन्होंने कहा है, उसका सटीक अनुवाद यहां होना चाहिए। हम एआई के दौर में हैं। अनुवाद में तकरीबन 98 प्रतिशत तक की शुद्धता होनी चाहिए।

सिब्बल ने उठाए अनुवाद पर सवाल: सिब्बल ने अनुवाद पर सवाल उठाते हुए कहा, 'वांगचुक ने अपनी हड़ताल जारी रखी और नेपाल का संदर्भ देकर युवाओं को उकसाना भी जारी रखा। यह पंक्ति आखिर आ कहां से रही है? यह एक बेहद अनोखा निरोध आदेश है – आप ऐसी बात पर भरोसा कर रहे हैं जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं है, और फिर कहते हैं कि यह 'व्यक्तिगत संतुष्टि' के आधार पर है।''

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 22 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिला में मंगलवार को 22 सक्रिय माओवादियों ने शासन की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण किया है। यह जानकारी एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने दी। सभी माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सुकमा में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला माओवादी भी शामिल है, जो लंबे समय से संगठन से जुड़ी हुई थी।

एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि नक्सल मुक्त अभियान बस्तर के तहत जिले में लगातार नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया जा रहा है। इससे माओवादी संगठन समाप्ति की ओर है। विकासात्मक कार्य सुदूर वनांचल क्षेत्र में पहुंचाया जा रहा है साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की ''छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति'' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस द्वारा ''पूना मारगेम'' पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान संचालित किया जा रहा है। अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव से माओवादी संगठन कमजोर पड़ता जा रहा है। एडिशनल एसपी नक्सल ऑपरेशन रोहित शाह ने बताया कि सुकमा जिले में सक्रिय 22 माओवादियों ने आज आत्म समर्पण किया। आत्मसमर्पण सभी माओवादियों को शासन की पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रूपये की राशि सहायता राशि प्रदान की गई एवं शासन की अन्य योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में मिलिशिया कमांडर गोंचे हुंगा, मिलिशिया सदस्य बण्डी, माड़वी हांदा, हिडमा मड़कम नन्दा, मिलिशिया सदस्य, मड़कम रामा, मड़कम सोमड़ा मिडियाम आयता, मड़कम चैतु, माड़वी हुंगा, लक्ष्मी मुचाकी, गोंचे उर्फ मड़कम हुंगा , माड़वी दूला , कुंजाम केसा, वेको विज्जा, वेको हड़मा, मुचाकी सुक्का, माड़वी जोगा, मड़कम पाण्डू, नुप्पो देवा, भोगाम दसरू उर्फ सोना, सलवम लखमा, जगत उर्फ मुचाकी भीमा शामिल है।

दिल्ली-NCR में मौसम का यू-टर्न; कल बारिश का येलो अलर्ट, 40 की रफ्तार से चलेगी हवा

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में मौसम बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दिल्ली के साथ ही एनसीआर में बादलों की आवाजाही देखी जाएगी। IMD की मानें तो कल यानी बुधवार को दिल्ली एनसीआर में मौसम ज्यादा खराब रहेगा। मौसम विभाग ने दिल्ली के साथ ही एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में बुधवार को गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इसके बाद मौसम साफ रहने का अनुमान है।

कल 40 की स्पीड वाली तेज हवाएं, बारिश का येलो अलर्ट : मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दिल्ली के साथ ही एनसीआर में मंगलवार शाम या रात से बादल डेरा डाल देंगे। दिल्ली एनसीआर में बुधवार को पूरी तरह बादल छाए रहेंगे। बुधवार को सुबह के समय दिल्ली के साथ ही एनसीआर के कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश होगी। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से हवाएं चलेंगी। इसी दिन दोपहर में भी हल्की बारिश हो सकती है।

तेज धूप से गर्मी का अहसास : मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली एनसीआर में फरवरी महीने में चटख धूप से तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इससे फरवरी के महीने में ही मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है।

दिल्ली में सोमवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, सफदरजंग में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जो सामान्य से 7.2 डिग्री अधिक है।

बारिश नहीं देगी बढ़ते तापमान से राहत : मौसम विज्ञानियों के अनुसार, हालांकि दिल्ली में होने वाली बारिश से तापमान में ज्यादा कमी नहीं देखी जाएगी। दिल्ली में 18 और 19 फरवरी को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं 18 फरवरी को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिल्ली में 19 से लेकर 22 फरवरी को अधिकतम तापमान 12 से 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है।

बढ़ेगा तापमान : दिल्ली में 20 और 21 फरवरी को अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। इसके बाद भी इसमें बढ़ोतरी जारी रहेगी। दिल्ली में 22 और 23 फरवरी को अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। फरवरी को दिल्ली में न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 14 से 16 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जा सकता है। कुल मिलाकर इस हफ्ते मौसम में बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा।

नो पार्किंग में गाड़ी छोड़ी तो समझो गई, गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस का मेगा चेकिंग अभियान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी । गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने शहर के 10 अलग-अलग हिस्सों में अवैध पार्किंग को लेकर मंगलवार से मेगा चेकिंग अभियान शुरू किया है। पुलिस ऐसे वाहनों पर सख्ती दिखाएगी जो कि नो पार्किंग जोन में खड़े मिलेंगे। अधिकारियों ने बताया है कि यह अभियान मुख्य सड़कों और सेक्टर 29, 44, 51, मेदांता मेडिसिटी, गोल्फ कोर्स रोड और एआईटी चौक के पास स्थित बाजारों के बाहर चलाया जाएगा। पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) राजेश मोहन ने कहा इस अभियान के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं जो कि ईस्ट और वेस्ट जोन में चेकिंग अभियान का नेतृत्व करेंगी। सदर बाजार, ओल्ड महरौली रोड (सेक्टर 14 मार्केट की ओर) और सेक्टर 83 में सफायर मॉल जैसे प्रमुख बाजारों के बाहर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इन जगहों पर जो भी वाहन अवैध रूप से पार्क किए हुए मिलेंगे, उन्हें क्रेन से उठा लिया जाएगा।

इन जगहों पर रहें अलर्ट : अधिकारियों के मुताबिक, ईस्ट जोन में सेक्टर 29, 44 और 51 के बाजारों के साथ-साथ मेदांता मेडिसिटी, आईएमटी यूनिवर्सिटी और गोल्फ कोर्स रोड पर एआईटी चौक के आस-पास के रास्तों पर नजर रखी जाएगी। वहीं, वेस्ट जोन में सदर बाजार, ओल्ड महरौली रोड, सनथ रोड के पास पासपोर्ट अथॉरिटी ऑफिस और सेक्टर 83 में सफायर मॉल के आसपास के इलाकों में चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

कब तक चलेगा चेकिंग अभियान : अधिकारियों ने बताया है कि चेकिंग अभियान पूरे दिन चलेगा और विशेषकर पीक ऑवर्स (व्यस्त समय) में ये और तेज होगा। अभियान कब तक चलेगा इसके लिए कोई डेडलाइन फिक्स नहीं की गई है क्योंकि यह तब तक जारी रहेगा जब तक चिन्हित स्थानों पर पार्किंग की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता या फिर वाहन चालक ट्रैफिक नियमों को मानना शुरू नहीं कर देते।

वाहन को उठाने के बाद यहां रखा जाएगा : पुलिस उपायुक्त राजेश मोहन ने बताया है कि नो पार्किंग जोन से उठाए गए वाहनों को रखने के लिए 10 जगहों को चिह्नित किया गया है जहां से वाहन चालक जुर्माना भरने के बाद वाहन को ले जा सकेंगे। अधिकारी के मुताबिक चालक किंगडम ऑफ ड्रीम्स के पास स्थित एक प्राइवेट पार्किंग, अप्रैल हाउस के सामने, सेक्टर 51 में वॉटर बूस्टिंग स्टेशन के पास और मेदांता मेडिसिटी जैसे अन्य निर्धारित स्थानों से वाहन वापस ले सकेंगे।

गोरखपुर में बदमाश पकड़ने गई पुलिस की गाड़ी पेड़ से टकराई, एक दारोगा की मौत, दो घायल

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में बदमाश को गिरफ्तार निकली पुलिस टीम की गाड़ी पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में एक दारोगा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य दारोगा गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान रामगढ़ताल थाने के दारोगा संतोष कुमार के रूप में हुई है। हादसे में एसएसआई रमेश चंद्र कुशवाहा, महिला दारोगा गीता समेत अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब पुलिस टीम स्कॉर्पियो वाहन से दबिश देने जा रही थी और वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। रामगढ़ताल थाने की टीम एक जालसाजी के मामले में दबिश देने के लिए महराजगंज जिले गई थी। टीम में एसएसआई रमेश चंद्र कुशवाहा, दारोगा संतोष कुमार, महिला दारोगा गीता, चालक और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। मंगलवार सुबह करीब 6¬45 बजे जब टीम महराजगंज के श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के कतरारी इलाके से गुजर रही थी, तभी स्कॉर्पियो अचानक अनियंत्रित हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चालक को झपकी आ जाने से वाहन डिवाइडर पर चढ़ गया और सीधे एक पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना देकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दारोगा संतोष कुमार की मौत हो गई। वहीं एसएसआई रमेश चंद्र कुशवाहा और महिला दारोगा गीता की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि चालक की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही एसपी सिटी अभिनव त्यागी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना। उन्होंने पुष्टि की कि हादसे में एक दारोगा की मौत हुई है और अन्य घायलों का इलाज जारी है।

बच्चों का रेप करने वाला, अमेरिका में 13 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय गिरफ्तार

वाशिंगनटन, एजेंसी। अमेरिका में एक भारतीय व्यक्ति को नाबालिग के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान वोडेला यशस्वी कोट्टापल्ली के तौर पर हुई है। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कहा कि आरोपी कोट्टापल्ली अमेरिका में बिना कागजात वाला इमिग्रेंट है और यूएस इमिग्रेशन कानून के तहत उसे निकालने की कार्रवाई चल रही है। उस पर दुकान से चोरी और सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने का भी आरोप लगा है।

आईसीई ने क्या कहा : एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वोडेला यशस्वी कोट्टापल्ली भारत से आया एक क्रिमिनल गैर-कानूनी विदेशी है। उस पर न्यू जर्सी में सेक्सुअल असॉल्ट और चोरी के चार्ज पेंडिंग हैं। हम उसे निकालने की कार्रवाई पेंडिंग रहने तक कस्टडी में रखेंगे। कोट्टापल्ली को बच्चों का रेपिस्ट बताते हुए आईसीई ने कहा कि इस भारतीय आदमी पर 13 साल से कम उम्र के बच्चे का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। एजेंसी ने गिरफ्तारी की तारीख या कथित अपराधों की कोई और जानकारी नहीं दी।

अमेरिका में गैरकानूनी इमिग्रेंट्स पर कार्रवाई जारी : ट्रंप 2.0 के तहत आईसीई देश में गैर-कानूनी विदेशियों पर कड़ी कार्रवाई कर रहा है। दिसंबर में एजेंसी ने ओरेगन में एक जानलेवा मोटरवे एक्सीडेंट में शामिल एक भारतीय ट्रक ड्राइवर को भी हिरासत में लिया, जिसमें दो अमेरिकियों की मौत हो गई थी। भारत सरकार के डेटा के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के एंटी-इमिग्रेशन अभियान के तहत 2025 में 3,800 से ज्यादा भारतीयों को अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था।

नहीं रहे हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रॉबर्ट डुवैल, 95 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

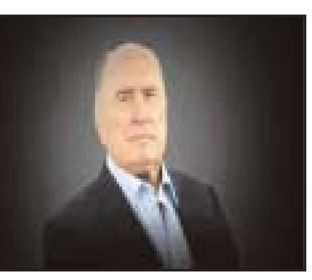

लास एंजिल्स, एजेंसी। ऑस्कर विजेता अभिनेता रॉबर्ट डुवैल का निधन हो गया। रॉबर्ट डुवैल 95 वर्ष के थे। उनकी पत्नी लुसियाना की ओर से उनकी जनसंपर्क एजेंसी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, डुवैल का रविवार को वर्जीनिया के मिडलबर्ग स्थित उनके घर पर निधन हो गया। ऑस्कर विजेता अभिनेता रॉबर्ट डुवैल द गॉडफादर अपोकैलिप्स नाउ और छह दशकों तक फैले अपने शानदार फिल्मी करियर में कई अन्य दमदार किरदारों के लिए जाने जाते थे।

पत्नी ने की निधन की पुष्टि : उनकी पत्नी लुसियाना डुवैल ने उनके निधन की पुष्टि की।

उनकी पत्नी ने कहा, रविवार को हमने अपने प्रिय पति, प्रिय मित्र और हमारे समय के महानतम अभिनेताओं में से एक रॉबर्ट डुवैल को खो दिया। रॉबर्ट डुवैल का निधन उनके वर्जीनिया के मिडलबर्ग स्थित घर पर हुआ।

चकाचौंध से दूर रहने वाले डुवैल ऑस्कर अवार्ड जीत चुके हैं और छह बार इसके लिए नामांकित हुए। फ्रांसिस फोर्ड कोपोला की फिल्म द गॉडफादर में डुवैल ने कोरलियोन परिवार के सलाहकार की यादगार भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें 1972 की इस फिल्म के लिए अपने सात अकादमी पुरस्कारों में से पहला नामांकन मिला था।

इसके ठीक दो साल बाद द गॉडफादर पार्ट में भी डुवैल ने यही भूमिका निभाई थी, लेकिन सैलरी विवाद के कारण डुवैल ने द गॉडफादर पार्ट में काम नहीं किया।

कहां हुआ था जन्म : प्रसिद्ध फिल्म निर्माता रॉबर्ट डुवैल का जन्म सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, अमेरिका में हुआ था। डुवैल का जन्म 5 जनवरी 1931 को हुआ था और उन्होंने अपना अधिकांश बचपन एनापोलिस, मैरीलैंड में बिताया। डुवैल के पिता एक पेशेवर नौसेना अधिकारी थे और उन्होंने काउबॉय से लेकर सैन्य पुरुषों तक कई तरह की भूमिकाएँ निभाई। डुवैल हॉलीवुड के सबसे सम्मानित अभिनेताओं में से एक थे।

भड़काऊ बातें और भारत का विरोध ,जाते-जाते भी जहर उगल गए यूनुस

आखिरी भाषण में किया सेवन सिस्टर्स का जिक्र

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में लोकतांत्रिक हालात को बहाल करने और कमजोर अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में पूरी तरह से नाकाम रहे मोहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में भी भड़काऊ बातें की और भारत के खिलाफ जहर उगला। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद यूनुस ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व किया लेकिन उनके नेतृत्व में बांग्लादेश के भीतर इस्लामिक विद्रोह भड़का और हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया। कानून और व्यवस्था को लेकर उनकी लगातार आलोचना हुई।

दूसरे के निर्देशों पर नहीं चलता बांग्लादेश : अपने भाषण में उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने विदेश नीति में अपनी संप्रभुता, सम्मान और आजादी वापस पा ली है और अब वह दूसरे के निर्देशों पर नहीं चलता है। उनकी इस कथनी को भारत के लिए समझा गया है, जो वर्षों से बांग्लादेश की मदद करता आया। उन्होंने नेपाल, भूटान और सेवन सिस्टर्स को जोड़ते हुए भविष्य के आर्थिक एकीकरण की बात की। बता दें कि सेवन सिस्टर्स को अक्सर भारत के नॉर्थ ईस्ट राज्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

यूनुस ने कहा, हमारे खुले समुद्र सिर्फ बॉर्डर नहीं हैं, वे ग्लोबल इकॉनमी के गेटवे हैं। नेपाल, भूटान और सेवन सिस्टर्स के साथ इस इलाके में बहुत ज्यादा आर्थिक क्षमता है। इकॉनमिक जोन, ट्रेड एग्रीमेंट और ड्यूटी-फ्री मार्केट एक्सेस हमें ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के तौर पर बना सकते हैं। इस तरह की बातों से नई दिल्ली में हैरानी हो सकती है। सालों से, भारत ने अपने नॉर्थ-ईस्ट को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए बांग्लादेश के जरिए कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स में भारी इन्वेस्ट किया है।

चीन, जापान और अमेरिका से रिश्तों पर जोर : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार चलाने वाले नेता ने चीन, जापान, अमेरिका और यूरोप के साथ गहरे होते रिश्तों पर जोर दिया। उन्होंने चीन के सपोर्ट वाले प्रोजेक्ट्स पर हुई प्रोग्रेस का जिक्र किया, जिसमें तीस्ता नदी पहल भी शामिल है। यह भारत के रणनीतिक रूप से जरूरी सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। यूनुस ने कहा, हमने चीन के साथ भी सहयोग बढ़ाया है। तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और निलफामारी में 1,000 बेड वाले इंटरनेशनल हॉस्पिटल पर काफी तरक्की हुई है। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश ने किसी भी हमले का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

उनके भाषण में बांग्लादेश में हिंसा का जिक्र नहीं : उनके भाषण में अंतरिम सरकार के सांप्रदायिक हिंसा से ठीक से निपटने के तरीके पर कोई बात नहीं हुई, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में हुई गलतियों को स्वीकार नहीं किया गया और हिंदू नागरिकों के बीच डर को भी नहीं माना गया, जो उथल-पुथल के समय में भरोसे के लिए सरकार की तरफ देख रहे थे। यूनुस ने अपनी विदेश नीति के भारत विरोधी रवैये और पाकिस्तान के पक्ष में झुकाव की आलोचना के बीच कहा, विदेश नीति में हमने बांग्लादेश की संप्रभुता, राष्ट्रीय हित और सम्मान को मजबूती से बहाल किया है। बांग्लादेश अब दूसरों के कहने या उनके कहने पर चलने वाला नहीं है। आज का बांग्लादेश आत्मविश्वासी, सक्रिय और जिम्मेदार है। हम आपसी सम्मान और हित के आधार पर रिश्ते बनाने और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्कूली बच्चों के हॉकी मैच में फायरिग

वाशिंगनटन, एजेंसी। अमेरिका में रोड आइलैंड के पावकेट में एक एरीना में गोलीबारी हुई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, इस गोलीबारी में संदिग्ध समेत तीन लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पावकेट पुलिस चीफ टीना गोंकाल्वेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गोलीबारी की खबर मिलते ही अधिकारी डेनिस एम. लिंच एरीना पहुंचे। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हमले के बाद बंदूकधारी की खुद को गोली मारने से मौत हो गई।हॉकी इवेंट में छात्रों और माता-पिता की भीड़ थी। शुरुआती जांच से पता चलता है कि शूटर ने शायद अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया था। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक छोटी लड़की भी थी। अधिकारियों ने बताया, हादसे में घायल तीनों लोगों को गोली लगी।

गाजियाबाद में लोनी के डीएलएफ और अंकुर विहार में रहने वालों के लिए गुड न्यूज, अगस्त से मिलेगी यह सुविधा

गाजियाबाद, एजेंसी । दिल्ली से सटे गाजियाबाद में लोनी क्षेत्र के डीएलएफ और अंकुर विहार इलाके में अगस्त से सीवर लाइन की सुविधा मिल सकेगी। सीवर लाइन डालने की योजना का काम 76 फीसदी पूरा हो चुका है। जल निगम की 66.36 करोड़ रुपये की योजना में 6927 मकानों को सीवर कनेक्शन से जोड़ा जाएगा। लोनी के अंकुर विहार और डीएलएफ इलाके में सीवर लाइन न होने से यहां गंदगी की समस्या रहती है। घरों से निकलने वाली गंदगी भी नालों से होकर नदी में गिरती है, जिससे नदी का पानी भी प्रदूषित होता है। जल प्रदूषण रोकने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए जल निगम ने यहां सीवर लाइन डालने का प्रस्ताव बनाया था। अमृत योजना 2.0 के तहत इस योजना को स्वीकृति मिली और 66.36 करोड़ रुपये की लागत से इसका कार्य जुलाई 2024 में शुरू किया गया था। दोनों इलाकों में 57.61 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन डाली जा रही है, जिसमें से 53 किलोमीटर के दायरे में पाइपलाइन डालने का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा यहां पर एक पंपिंग स्टेशन भी बनाया जा रहा है, जो घरों से आने वाले गंदे पानी को एसटीपी तक भेजेगा। इसका भी 55 फीसदी तक कार्य पूरा हो गया है। योजना लगभग 76 फीसदी पूरी हो चुकी है। अधिकारियों का दावा है कि जुलाई 2026 तक तय डेडलाइन पर कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

एसटीपी में शोधित होगा : अंकुर विहार और डीएलएफ इलाके से निकलने वाला सीवर का पानी लोनी में पहले से संचालित 30 एमएलडी के एसटीपी पर शोधित होगा। अभी एसटीपी पर 20 एमएलडी सीवरेज का शोधन हो रहा है। इन दोनों इलाकों से करीब सात एमएलडी सीवरेज निकलेगा। इसीलिए पंपिंग स्टेशन को 10 एमएलडी का बनाया जा रहा है, ताकि आबादी बढ़ने पर यह ओवरलोड न हो।

50 हजार की आबादी को लाभ : योजना के सर्वे के समय अंकुर विहार और डीएलएफ इलाके में 6,927 मकान चिह्नित किए गए थे। इसी के आधार पर कार्य शुरू किया गया है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि कनेक्शन की संख्या सात हजार से अधिक हो सकती है। जुलाई में काम पूरा होने के बाद अगस्त से सीवर कनेक्शन दिए जाएंगे। सीवर नेटवर्क से जुड़ने के बाद दोनों इलाकों में रहने वाली 50 हजार से अधिक की आबादी को लाभ मिलेगा। अभी सीवर का पानी नालियों में बहता है, जिससे गंदगी बढ़ रही है। लोगों को गंदगी से निजात मिलेगी और नाले से होकर नदी में जाने वाले सीवर के पानी पर भी रोक लगेगी। अरुण प्रताप सिंह, अधिशासी अभियंता, जल निगम, लोनी में सीवर लाइन डालने का काम समय से चल रहा है। तय समय अवधि में इसे पूरा कर सीवर कनेक्शन दिए जाएंगे।

फरीदाबाद में भी गरजा बुलडोजर; दो अवैध बैंक्वेट हॉल और 3 रेस्टोरेंट किए ध्वस्त

फरीदाबादट, एजेंसी। फरीदाबाद के गांव भतौला में सोमवार को डीटीपी इंफोर्समेंट विभाग ने अवैध निर्माणों पर बड़ी कार्रवाई की। डीटीपी अधिकारी यजन चौधरी के नेतृत्व में टीम ने बिना अनुमति बनी एक कॉलोनी पर बुलडोजर चला दिया। इस अभियान के दौरान 2 अवैध बैंक्वेट हॉल, तीन रेस्टोरेंट और एक स्पोर्ट्स अकादमी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। विभाग ने यह कदम पहले नोटिस जारी करने के बावजूद निर्माण न हटाए जाने पर उठाया।

2 बैंक्वेट हॉल, 3 रेस्टोरेंट/फूड जंक्शन और स्पोर्ट्स अकादमी ध्वस्त : डीटीपी इंफोर्समेंट की ओर से सोमवार को गांव भतौला की राजस्व संपदा में अवैध रूप से विकसित की गई व्यावसायिक कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान टीम ने दो अवैध बैंक्वेट हॉल, तीन रेस्टोरेंट/फूड जंक्शन और एक स्पोर्ट्स अकादमी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

नोटिस के बाद भी नहीं हटाए थे अवैध निर्माण : डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी को कई दिनों से गांव की संपदा में अवैध निर्माण की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर सोमवार को टीम ने इन निर्माणों को लेकर पहले नोटिस जारी किए। लेकिन इसके बाद भी अवैध निर्माण नहीं हटाए गए। सोमवार को विभाग की टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम : कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। डीटीपी अधिकारी यजन चौधरी ने कहा कि जिले में अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति के बने व्यावसायिक ढांचों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। डीटीपी इंफोर्समेंट ने स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे जमीन खरीद-फरोख्त के दौरान विभागों से वैधता की जांच अवश्य कर लें।

गुरुग्राम में भी बुलडोजर ऐक्शन : गुरुग्राम में भी बुलडोजर ऐक्शन सामने आया है। अरावली को बचाने के लिए वन विभाग ने सोमवार को रायसीना की पहाड़ियों पर बड़ी कार्रवाई लगभग 28 एकड़ जमीन पर बन रहे फार्म हाउसों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों की मानें तो यह जमीन कानूनी रूप से संरक्षित है और यहां किसी भी तरह का निर्माण मना है। फिर भी पहाड़ियों को काटकर फार्म हाउस का निर्माण किया जा रहा था।

पुलिस इंस्पेक्टर बनकर घर में घुसे लुटेरे, 20 लाख रुपये कैश और आधा किलो सोना लेकर फरार

बेंगलुरु, एजेंसी । बेंगलुरु के के बिदरहल्ली इलाके में सोमवार, 16 फरवरी को दो बदमाशों ने लाखों की चोरी की। ये बदमाश पुलिस ऑफिसर बनकर घर में घुसे। पुलिस ऑफिसर बनकर आए बदमाशों ने घर में मौजूद दंपती को चाकू और बंदूक दिखाकर बंधक बनाया। चोर 20 लाख रुपये कैश और करीब आधा किलो सोना लेकर फरार हो गए।

बदमाशों ने की 20 लाख की चोरी : लोकल पुलिस स्टेशन के मुताबिक, घटना के समय 53 साल के होम्बालेगौड़ा, उनकी पत्नी मंगलम्मा और उनका पोता घर के अंदर थे। एक आरोपी सब-इंस्पेक्टर की यूनिफॉर्म पहने हाथ में डायरी लेकर प्राइवेट कार में आया। वहीं दूसरा क्राइम सीन ऑफिसर बनकर एक बैग लेकर घर के अंदर घुसा। घर के अंदर आने के बाद, बदमाशों ने परिवार के लोगों को बंदूक और चाकू से धमकाया।

जनसुनवाई में 120 आवेदनों की सुनवाई, 25 'सुगम टोकन' से जरूरतमंदों को राहत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागार में आज आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की कुल 120 समस्याएँ गंभीरतापूर्वक सुनीं। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों पर त्वरित, प्रभावी और पारदर्शी कार्रवाई की जाए और निर्धारित समय-सीमा में उनका समाधान किया जाए इस जनसुनवाई में विशेष रूप से दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों से आए गरीब, दिव्यांग, और अन्य जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता दी गई जिला प्रशासन ने इन नागरिकों की सुविधा के लिए 'सुगम टोकन' व्यवस्था लागू की, ताकि उन्हें आवागमन में कोई कठिनाई न हो कलेक्टर की पहल पर बस संचालकों के सहयोग से इन पात्र हितग्राहियों को जनसुनवाई के बाद निःशुल्क घर वापसी की सुविधा भी प्रदान की जा रही है आज की जनसुनवाई में कुल 25 जरूरतमंद हितग्राहियों को 'सुगम टोकन' प्रदान किए गए यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर, दिव्यांग और विशेष आवश्यकता वाले नागरिकों को राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई है इस व्यवस्था के तहत इन नागरिकों को जनसुनवाई में आने और अपनी समस्याएँ दर्ज कराने में कोई असुविधा न हो, साथ ही उन्हें सम्मानपूर्वक अपनी आवाज उठाने का अवसर मिले कलेक्टर सोमवंशी ने जनसुनवाई के दौरान कहा कि यह एक महत्वपूर्ण संवाद का मंच है, जो शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करता है।

नेशनल लोक अदालत में मिलेगा त्वरित व सुलभ न्याय, विद्युत मामलों में राहत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च 2026 को जिला न्यायालय सीधी, सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन और मझौली में किया जाएगा नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु मंगलवार को एडीआर भवन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई इस बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयागलाल दिनकर और विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू ने की बैठक में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए अधिकारियों ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मिलकर पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत के लाभों से अवगत कराएं, ताकि सहमति के आधार पर त्वरित, सरल और सुलभ न्याय प्रदान किया जा सके साथ ही, बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों और अधिवक्ताओं के साथ मिलकर अधिक से अधिक मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

कुसमी में पुजारी की हत्या के बाद प्रशासन अलर्ट एसडीएम ने नगर में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी में एक पुजारी की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है घटना के बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए एसडीएम विकास कुमार आनंद ने मंगलवार दोपहर शांति समिति की बैठक बुलाई जानकारी के अनुसार, पुजारी की हत्या उस समय हुई जब वे सुबह अपने काम कर रहे थे आरोपी ने उन पर धारदार हथियार से हमला किया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश दी और मुख्य आरोपी को पकड़ लिया फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है एसडीएम कार्यालय में आयोजित इस बैठक में प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए एसडीएम विकास कुमार आनंद ने पुलिस को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति भंग करने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए सख्ती बरतने को कहा बैठक में जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, व्यापारी एकता संघ अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य नागरिक और अधिकारी मौजूद रहे।

बनारस टीम ने छात्रों को सिखाए बचाव के गुर, सीएम राइज विद्यालय वैढ़न में हुई मॉक ड्रिल; भूकंप के दोरान की सावधानियां बताई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में मंगलवार को सीएम राइज उत्कृष्ट विद्यालय वैढ़न में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की ग्यारहवीं बटालियन ने आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल का आयोजन किया यह टीम विशेष रूप से बनारस (वाराणसी) से स्कूली छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित करने पहुंची थी कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को भूकंप की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें सुरक्षित स्थानों की पहचान, घबराहट से बचते हुए धैर्य बनाए रखना और रेस्क्यू ऑपरेशन की प्रक्रियाएं शामिल थीं एनडीआरएफ टीम ने बताया कि आपदा के समय सही निर्णय और त्वरित कार्रवाई से जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है मॉक ड्रिल के तहत एक तीन मंजिला इमारत में भूकंप आने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई इसमें यह प्रदर्शित किया गया कि रेस्क्यू टीम किस प्रकार सुरक्षित ढंग से दीवारों को काटकर फंसे लोगों तक पहुंचती है घायलों को बाहर निकालती है और उन्हें प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराती है इसके साथ ही सीपीआर सहित प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया होमगार्ड कमांडेंट एल.वी. कोल ने इस अवसर पर कहा, 'एनडीआरएफ के सहयोग से ऐसे अभ्यास आम नागरिकों और विद्यार्थियों को आपदा के समय आत्मरक्षा के लिए तैयार करते हैं इस तरह के प्रशिक्षण से घबराहट कम होती है और समन्वित बचाव कार्य संभव हो पाता है इस कार्यक्रम में एसडीएम सिंगरौली सुदेश जाधव, ग्यारहवीं बटालियन वाराणसी के डिप्टी कमांडेंट कुलदीप सिंह और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे अंत में, प्राचार्य पी.एन. दुबे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

युवक से मारपीट पैसे छीने, पीड़ित ने एसपी से की शिकायत; पुलिस ने हल्की धाराओं में केस दर्ज किया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न में एक युवक के साथ मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है पीड़ित रामप्रकाश वैश्य ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाते हुए आरोप लगाया है कि पुलिस ने इस गंभीर मामले में बहुत हल्की धाराओं में केस दर्ज किया है रामप्रकाश वैश्य के मुताबिक, यह घटना 9 फरवरी 2026 की शाम करीब 4 बजे तहसील परिसर के पास हुई उन्होंने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और लाठी-डंडों से उन पर जानलेवा हमला कर दिया पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ न सिर्फ मारपीट की बल्कि उनकी जेब से पैसे भी छीन लिए घटना के बाद घायल रामप्रकाश को डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया पीड़ित का कहना है कि उन्होंने थाने में मारपीट और लूट की शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने जान से मारने की कोशिश और लूटपाट जैसी बड़ी धाराएं नहीं जोड़ीं उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं जिससे उनका पूरा परिवार डरा हुआ है नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने इस मामले में बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

संजय टाइगर रिजर्व के 6 गांवों का प्रदर्शन, सरपंच बोले घर नहीं छोड़ेंगे, सुविधाएं दो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मंगलवार को संजय टाइगर रिजर्व के बीच बसे छह गांवों के लगभग 400 ग्रामीणों ने सरपंचों के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट किया कि वे अपनी मातृभूमि छोड़कर नहीं जाएंगे और प्रशासन उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए ये सभी गांव संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के भीतर स्थित हैं ज्ञापन में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं का उल्लेख किया उन्होंने बताया कि उनके पास पक्के मकान नहीं हैं, गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं हैं बिजली की व्यवस्था नगण्य है और पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है शिक्षा के क्षेत्र में भी स्थिति चिंताजनक है, जहां पांचवीं कक्षा के बाद बच्चों के लिए कोई स्कूल उपलब्ध नहीं है प्रदर्शन में खैरी से धनंशाय बैगा, डेवा से हरिराम सिंह, खरबर से नानबाई बैगा, उमरिया से अंजू सिंह, चिंगवाह से गिरधारी लाल बैगा और दुबरी कला से रानी सिंह सहित अन्य सरपंच शामिल थे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगभग 50 हजार से अधिक आबादी वाले इस आदिवासी बहुल क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की जा रही है ग्राम डेवा के सरपंच हरिराम बैगा ने कहा कि उनके आसपास के जंगल ही उनका घर हैं उन्होंने सरकार पर जानवरों के संरक्षण के नाम पर उन्हें विस्थापित करने का आरोप लगाया दुबरी कला की सरपंच रानी बैगा ने बताया कि रास्ते न होने के कारण सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है, जिससे इस क्षेत्र में शादियां तक नहीं हो पाती हैं इस मामले पर सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र विस्थापन प्रक्रिया के अंतर्गत आता है।

बैढ़न बस स्टैंड मंडी से अतिक्रमण हटाया: सड़क पर बैठे व्यापारियों का सामान जब्त

मीडिया ऑडीटर,सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम ने मंगलवार को बैढ़न शहर के अंतरराज्यीय बस स्टैंड के पास स्थित मंडी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की साप्ताहिक बाजार के दौरान मुख्य सड़क पर बैठकर सब्जी और अन्य सामग्री बेच रहे व्यापारियों को हटाया गया नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से बैठे लगभग 50 व्यापारियों को हटाया नियमों का उल्लंघन करने वाले इन व्यापारियों का सामान भी जब्त किया गया इस कार्रवाई से क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया नगर निगम के राजस्व अधिकारी आरपी वैश्य ने बताया कि इन व्यापारियों को पहले भी कई बार सड़क पर व्यापार न करने और निर्धारित स्थानों पर दुकानें लगाने की समझाइश दी गई थी इसके बावजूद वे लगातार मुख्य सड़क पर अतिक्रमण कर रहे थे वैश्य ने यह भी बताया कि यह क्षेत्र शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक है सड़क पर सब्जी और अन्य फुटपाथ दुकानों के कारण आवागमन बाधित हो रहा था, जिससे आम नागरिकों, यात्रियों और बस स्टैंड पर आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था नगर निगम ने सभी व्यापारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि भविष्य में वे केवल निर्धारित स्थानों पर ही व्यापार करें नियमों का उल्लंघन करने पर आगे और कठोर कार्रवाई की जाएगी निगम का कहना है कि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

गालियां देने से रोकने पर महिलाओं की पिटाई :कार्रवाई न होने पर पिता कलेक्टर-एसपी के पास पहुंचा कहा- आरोपी अक्सर विवाद करता है

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न इलाके में महिलाओं से मारपीट और धमकी देने मामला सामने आया है खुटार चौकी क्षेत्र में रहने वाले तुलसीदास पटेल ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को एसपी और कलेक्टर से न्याय की मांग है तुलसीदास पटेल ने बताया कि 15 फरवरी की सुबह करीब 11:40 बजे गांव के कुछ लोगों ने उनके घर आकर गाली-गलौज की। जब उन्होंने और उनकी बेटी ने विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया आरोपी अक्सर शराब पीकर गांव में विवाद करते हैं और लोगों को पीटते हैं इस मारपीट का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट हो गया, जिसमें बाप-बेटी को चोटें आती दिख रही हैं पीड़ित का कहना है कि मेडिकल जांच होने के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है बेटी की सुरक्षा को लेकर डर पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी अब फोन पर उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं उनकी नाबालिग बेटी को भी निशाना बनाने की बात कही जा रही है बेटी को अकेले स्कूल आने-जाने में डर लग रहा है और पूरा परिवार किसी अनहोनी की आशंका से सहमा हुआ है नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति ने पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने खुटार चौकी पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं पुलिस अधिकारी ने भरोसा दिलाया है कि मामले की पूरी जांच की जाएगी और आरोपियों को जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

उल्लास साक्षरता कार्यक्रम को जन-समर्थन, सामाजिक चेतना केंद्र का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली विकासखंड के अमझर स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के तहत सामाजिक चेतना केंद्र का शुभारंभ किया गया यह केंद्र विकासखंड के समस्त जन शिक्षा केंद्रों के अंतर्गत संचालित हो रहा है जिससे क्षेत्र में साक्षरता को व्यापक जन-समर्थन मिल रहा है आजीविका विभाग के समन्वय से अक्षर दीदी और अक्षर साथियों द्वारा नगर बसाहट, मोहल्लों और गांवों में घर-घर जाकर असाक्षर व्यक्तियों का पंजीयन किया जा रहा है इस पहल से पूरे विकासखंड में साक्षरता के प्रति जागरूकता और उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ है कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में सतत रूप से जारी है विकासखंड स्तर पर बीआरसी अयोध्या प्रसाद पटेल सहित समस्त जन शिक्षा केंद्रों के अधिकारियों एवं सह-समन्वयकों के सहयोग से पंजीयन कार्य व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है आजीविका मिशन मझौली के प्रबंधक सिंह का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है विकासखंड सह-समन्वयक विकास तिवारी के नेतृत्व में अक्षर साथी लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहकर साक्षरता अभियान को गति दे रहे हैं अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों और जन-भागीदारी से मझौली विकासखंड को शीघ्र ही पूर्ण साक्षर बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा।

संयुक्त प्रयासों से गांवों में वृहद एफएमडी पशु टीकाकरण अभियान सफल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आज करमाई, चमाराडोल, पांड और पौड़ी गांवों में एफएमडी (खुरपका-मुंहपका) टीकाकरण अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया इस अभियान के तहत बकरी, गाय, बैल और भैंसों का व्यापक रूप से टीकाकरण किया गया, ताकि पशुधन को संक्रामक रोगों से बचाया जा सके अभियान की सफलता में जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह और पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अमित सोनी का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सब्यसाची त्रिपाठी, आजीविका मिशन के विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह और सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह के सहयोग से अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया गया पशु चिकित्सा विभाग की डॉ. अंकिता गुप्ता, डॉ. राकेश और डॉ. मार्को की टीम ने इस अभियान को व्यवस्थित रूप से चलाया और टीकाकरण कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हुआ ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम ने भी इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आईएफसी टीम एंकर शारदा केवट, वरिष्ठ सीआरपी कमला कुशवाहा, सुमन गिरी, सीआरपी रेनू सिंह, साधना साकेत, अखिलेश तिवारी, लक्ष्मण साकेत, मंजू सिंह, बेला कली ने गांव-गांव और घर-घर जाकर समूह की महिलाओं और पशुपालकों को टीकाकरण के लाभ के बारे में जागरूक किया।

न्यायपालिका में एआई, न्याय व्यवस्था को मजबूत करने पर हुई चर्चा

संपादकीय

इंडिया एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन में न्यायपालिका में एआई के उपयोग पर चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य भारत की न्याय व्यवस्था को मजबूत करना है। एआई मशीनी दक्षता से कागजी कार्रवाई कम कर सकती है, अनुसंधान व विश्लेषण में मदद कर सकती है, लेकिन निर्णय मानवीय विवेक पर आधारित होंगे। ई-कोर्ट परियोजना के तहत एआई उपकरण अनुवाद और फाइल विश्लेषण में सहायक हैं। प्रभावी उपयोग के लिए न्यायिक सुधार भी आवश्यक हैं, ताकि लंबित मुकदमों का बोझ कम हो सके।

यह सर्वथा उचित है और समय की मांग के अनुरूप भी कि इंडिया एआइ इंपैक्ट शिखर सम्मेलन के अवसर पर न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को लेकर भी एक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें इस पर विचार किया गया कि मशीनी दक्षता किस प्रकार भारत की न्याय व्यवस्था को मजबूत कर सकती है।

चूंकि इस कार्यक्रम में विधिवेत्ताओं के साथ ला फर्मों के विधि विशेषज्ञों ने भी भाग लिया, इसलिए यह आशा की जाती है कि आने वाले समय में न्यायिक तंत्र में एआई का उपयोग और बढ़ेगा एवं उससे आम लोगों को लाभ भी मिलेगा। जब जीवन के हर क्षेत्र में एआई का उपयोग हो रहा है, तब फिर न्यायपालिका के क्षेत्र में भी ऐसा होना चाहिए। वैसे तो सीमित स्तर पर न्यायिक तंत्र में एआई का उपयोग हो रहा है, लेकिन अभी इसका आकलन किया जाना शेष है कि उसके वांछित परिणाम मिल पा रहे हैं या नहीं?

वर्तमान में ई-कोर्ट परियोजना के तहत न्यायिक तंत्र में एआई आधारित कई तरह के टूल्स उपयोग में लाए जा रहे हैं। जैसे मशीन लर्निंग टूल अदालती फैसलों का अंग्रेजी से क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करता है। इसके माध्यम से हजारों निर्णयों को विभिन्न भाषाओं में अनूदित किया गया है। एक अन्य टूल फाइलों का विश्लेषण करने, प्रासंगिक कानूनों और उदाहरणों को खोजने में मदद करता है। इसी तरह कुछ उच्च न्यायालयों में ऐसे टूल प्रयोग हो रहे हैं, जो गवाहों के बयानों को सीधे डिजिटल टेक्स्ट में बदलने का काम करते हैं।

न्यायिक तंत्र में एआई का उपयोग इस तरह होना चाहिए कि लोगों को समय पर न्याय मिलने की संभावनाएं बढ़ें। निःसंदेह एआई निर्णय देने का काम नहीं कर सकती और न ही उससे ऐसा कोई काम लिया जाना चाहिए। मानवीय विवेक का स्थान एआई नहीं ले सकती, लेकिन उसका इतना सहयोग तो लिया ही जा सकता है, जिससे कागजी कार्रवाई का बोझ कम हो। अनुसंधान, विश्लेषण और डाटा संग्रह का काम भी एआई के जरिये हो सकता है। इस सबके साथ ही यह भी समझा जाना चाहिए कि न्यायिक तंत्र में एआई का इस्तेमाल तभी प्रभावी होगा, जब अपेक्षित न्यायिक सुधार भी किए जाएंगे। यह आवश्यक है कि तारीख पर तारीख के सिलसिले पर विराम लगे।

वक्त कभी किसी का सगा नहीं

किशन सनमुखदास भावनानीं

खूबसूरत सृष्टि की रचना करने वाली कुदरत ने खूबसूरत मानवीय जीवन के साथ वक्त का एक ऐसा पहिया संलग्न कर दिया है कि मानवीय जीवन चक्र के साथ वक्त का पहिया भी घूमता रहता है!जो किसी का सगा नहीं है! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि बस मानवीय जीवन को ही अपनी बुद्धि के बल पर परिस्थितियों के अनुसार कुशाग्र बुद्धि से वक्त का सकारात्मक उपयोग कर ऐसा कार्य करना चाहिए कि हमारा नाम सदियों, पीढ़ियों तक टिमटिमाते तारों की तरह इस सृष्टि में जगमगाता रहे,क्योंकि वक्त हमेशा एक सा नहीं रहता वक्त का पहिया कैसे करवट बदल देता है, पता ही नहीं चलेगा, क्योंकि वक्त अपनी गति से चलता रहेगा वक्त का पहिया हमेशा एक जैसा नहीं रहता कितना भी पकड़ लो फिसलता ज़रूर है,यह वक्त है साहब बदलता जरूर है।

साथियों बात अगर हम वक्त के तकाज़े की करें तो हम खुद अपने पुराने और आज के वक्त का ही विश्लेषण कर ले कि कुछ साल या दशक पूर्व हम क्या थे और अब क्या हैं, तो हमें पता चल ही जाएगा कि वक्त कभी एक सा नहीं रहता!! इतना ही नहीं अगर हम अपने ही समाज या पीढ़ियों का विश्लेषण करें तो हमें अंदाज लग जाएगा कि वक्त का पहिया कैसे घूमकर बदलते रहता है इसलिए ही बड़े बुजुर्गों का कहना हैं, समय-समय की बात है आज तुम्हारा समय है कल हमारा समय भी आएगा

साथियों बात अगर हम हमारे शहर जिले राज्य या राष्ट्र की करें तो हमें ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे,अपने को बड़े शहंशाह, तीरंदाज कहने मानने वाले लोगों को भी हमने लाचार, तारतार होते देखा होगा, जिनके पास बेशुमार,दौलत पावर था और सबकुछ खरीद सकते थे परंतु वक्त का पहिया ऐसा फिसला कि उनका पैसा, पावर सब कुछ जमींदरोज़ हो गया और पैसे पैसे को मोहताज हो गए,हमने सुना ही नहीं अपनी आंखों से देखा भी जरूर होगा या फिर हमें यह अपने उम्र के बढ़ते चढ़ाव पर देखने को जरूर मिल जाएगा।

साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए की करें तो यह किसी का सगा नहीं है बड़े से बड़े उद्योगपति, राजनीतिज्ञ अधिकारी, मंत्री, उच्च पदस्थ व्यक्ति यहां तक कि कभी उनके पास उद्योग, सत्ता, शासन-प्रशासन पावर की चाबी उनके हाथ में रहने वालों के वक्त के पहिए ने भी कैसे करवट बदल ली है कि उनका हाथ आज खाली है! जिनकी तूती बोलती थी आज उनकी बोलती बंद है!! इसलिए कहते हैं साहब यह वक्त है बदलता ज़रूर है इसलिए समय रहते कुछ ऐसा काम करो कि वक्त को भी तुम्हारे पास रुकने पर मजबूर होना हो जाना पड़े

साथियों बात अगर हम कुछ सालों से वक्त के पहिए की करवट बदलने की करें तो कैसे हम खुशहाल थे, फिर कोरोना महामारी आई, वैक्सीनेशन ड्राइव चला, आज करीब-करीब नियंत्रित है, सत्ता के बदलाव, कुछ चिन्हित उद्योगपतियों द्वारा बैंक घोटाला, देश के बाहर और भगोड़े घोषित इत्यादि यह सब बातें हमने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सत्ता परिवर्तन, 90 दिन से चले आ रहे हैं रूस यूक्रेन युद्ध सहित अनेक व्यवहार देखें जिसके आधार पर हम कह सकते हैं कि वक्त किसी का सगा नहीं करवट जरूर बदलता है। साथियों बात अगर हम वक्त के पहिए की करें तो, जीवन में सबसे अनमोल चीज है वक्त जिसका चक्र निरंतर रूप से चलते रहता है। इसे कोई रोक नहीं सकता जैसे रेत को कितनी भी जोर से मुट्ठी में बांध के रखो वह फिसलती रहती है। उसी तरह वक्त भी सबको अवसर देता है अगर उस अवसर को समय रहते पहचान कर उसका लाभ ना उठाएं तो वह मौका और वक़्त दोनों हाथ से निकल जाता है। इसीलिए कहते हैं मनुष्य चाहे तो सब कुछ नियंत्रण कर सकता है सिवाय वक्त के! वह एक बार चला गया तो लाख कोशिश कर लो वह कभी वापस नहीं आ सकता।

साथियों बात अगर हम वक्त शब्द की करें तो, वक़्त अर्थात समय ये सिर्फ बोलने के लिए तीन शब्द है किंतु इसमें मनुष्य का संपूर्ण जीवन समाहित है। मनुष्य के जीवन में वक्त का बड़ा ही महत्व है। हमारा पूरा जीवन समाप्त हो जाता है किंतु वक्त का ना कोई प्रारंभ है और ना कोई अंत। वह अपने गति के अनुसार चलते ही रहता है। वक्त किसी के लिए नहीं रूकता और ना ही कोई उसे रोक सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया,तो यह केवल दीप प्रज्वलन नहीं था,बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग–भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है। नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट 2026' केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घोष है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया, तो यह केवल दीप प्रज्वलन नहीं था, बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी। .भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग–भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

एआई इम्पैक्ट 2026: मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

बिनोद लाकियावाला

प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एआई को 'विकसित भारत' की धुरी बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धि केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विस्तार का माध्यम है। उनका यह कथन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक था।भारत की जनसंख्या एक ओर भार है,तो दूसरी ओर मानव पूंजी का महासागर। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी महासागर को दिशा देने का आह्वान है। यह आयोजन उस राष्ट्रीय आकांक्षा का मंच है जिसमें भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता बनने का संकल्प ले रहा है।एआई के संदर्भ में भारत की स्थिति अद्वितीय है। एक ओर विशाल युवा जनसंख्या, दूसरी ओर डिजिटल बुनियादी ढाँचे का तीव्र विस्तार, और तीसरी ओर राजनीतिक इच्छाशक्ति।प्रधानमंत्री मोदी का 'मिशन एआई' केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं, बल्कि गाँव, खेत,कारखाने, विद्यालय और शासन प्रणाली तक विस्तारित दृष्टि है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है।

परंतु हर तकनीकी क्रांति के साथ आशंकाओं की आँधी भी आती है। औद्योगिक क्रांति ने श्रमिक वर्ग को विस्थापित किया था, सूचना क्रांति ने ज्ञान का केंद्रीकरण तोड़ा था, और अब एआई क्रांति मानव श्रम और मानव निर्णय दोनों को चुनौती दे रही है। भारत जैसे देश में जहाँ बेरोजगारी पहले से ही सामाजिक-आर्थिक तनाव का स्रोत है,वहाँ एआई का आगमन एक नई अनिश्चितता का संकेत भी है। क्या मशीनें करोड़ों नौकरियों को निगल जाएँगी? क्या मानव श्रम अप्रासंगिक हो जाएगा? क्या निर्णय-प्रक्रिया एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाएगी? ये प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और राजनीतिक भी हैं।एआई इम्पैक्ट 2026 का केंद्रीय विमर्श इसी द्वंद्व पर केंद्रित है–संभावना और शंका, सफलता और संकट,विकास और विस्थापन। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस द्वंद्व को स्वीकारते हुए आशावाद की ओर झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि एआई मानव को विस्थापित नहीं, बल्कि सशक्त करेगा।यह कथन राजनीतिक रूप से आश्वस्तकारी है, परंतु सामाजिक यथार्थ में इसे मूर्त रूप देने के लिए नीतिगत क्रांति आवश्यक है।

भारत की विशाल जनसंख्या यदि प्रशिक्षित, कौशलयुक्त और डिजिटल रूप से सशक्त होती है, तो एआई क्रांति भारत को वैश्विक शक्ति बना सकती है। किंतु यदि यह जनसंख्या तकनीकी परिवर्तन से कट जाती है,तो वही जनसंख्या सामाजिक विस्फोट का कारण भी बन सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दोराहे पर खड़े भारत का आत्ममंथन है।मानव संसाधन के संदर्भ में एआई का प्रभाव बहुआयामी है। शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, कृषि, उद्योग, प्रशासन, न्याय प्रणाली–सभी क्षेत्रों में एआई की भूमिका बढ़ रही है।भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, और अब एआई आधारित शासन मॉडल, एक नए सामाजिक अनुबंध की रचना कर रहे हैं।मोदी का मिशन इस अनुबंध को 'डिजिटल नागरिकता' के रूप में परिभाषित करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी डिजिटल नागरिकता का वैश्विक विमर्श है।बेरोजगारी की आशंका को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि एआई करोड़ों नौकरियों को समाप्त कर देगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह उतनी ही नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। भारत के संदर्भ में यह समीकरण अधिक जटिल है। यहाँ अनौपचारिक क्षेत्र, कृषि आधारित रोजगार और निम्न कौशल श्रमिकों की विशाल संख्या है। यदि एआई इन क्षेत्रों में बिना सामाजिक सुरक्षा के प्रवेश करता है, तो असमानता बढ़ेगी। एआई इम्पैक्ट 2026 में इस प्रश्न पर गहन चर्चा हो रही है कि कैसे कौशल पुनर्संरचना, जीवनपर्यंत शिक्षा और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन को एआई युग के अनुरूप ढाला जाए।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन में 'स्किल, स्केल और स्पीड' की त्रयी पर बल दिया। उनका तर्क था कि भारत को एआई में कौशल विकसित करना होगा, उसे बड़े पैमाने पर लागू करना होगा, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति बनाए रखनी होगी। यह दृष्टि भारत को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय एआई नेतृत्वकर्ता बनाने की आकांक्षा भी रखती है।वैश्विक संदर्भ में एआई एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है।अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य शक्तियाँ एआई को आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व के साधन के रूप में देख रही हैं। भारत की भूमिका अब केवल संतुलन कारी नहीं,बल्कि वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की है। एआई इम्पैक्ट 2026 में भारत ने 'मानव-केंद्रित एआई' की अवधारणा को प्रमुखता से रखा है। यह अवधारणा एआई को मानव गरिमा, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ने का प्रयास है।

सफलता की संभावना विशाल है। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में निदान की क्रांति, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, शासन में पारदर्शिता, उद्योग में उत्पादकता–ये सभी एआई के उपहार हैं। भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की कमी और जनसंख्या की अधिकता है, वहाँ एआई संसाधनों के कुशल उपयोग का माध्यम बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इन संभावनाओं को नीतिगत रोडमैप में बदलने का मंच है।

परंतु शंका भी उतनी ही गहरी है। डेटा की निजता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, निगरानी राज्य, डिजिटल उपनिवेशवाद–ये एआई युग के अंधेरे पक्ष हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में जहाँ नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहाँ एआई का अनियंत्रित प्रयोग लोकतंत्र को भी चुनौती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 'ट्रस्ट और ट्रांसपेरेंसी' पर जोर देकर इस चिंता को स्वीकार किया।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए केवल तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि सभ्यता का संवाद है। यह संवाद मानव और मशीन, लोकतंत्र और एल्गोरिद्म, बाजार और समाज, शक्ति और नैतिकता के बीच है। भारत इस संवाद में एक प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित है, जो तकनीक को साधन मानती है, साध्य नहीं।

इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि एआई अब किसी एक देश या कंपनी का विषय नहीं, बल्कि मानवता का साझा भविष्य है।प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण भारत को इस साझा भविष्य के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि मानवता उसे कैसे अपनाएगी। भारत जैसे देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का उपकरण भी हो सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस संभावना, शंका और सफलता के त्रिकोण में खड़े मानव भविष्य का चिंतन है। यह आयोजन एक चेतावनी भी है और एक आशा भी - कि यदि मानव विवेक, नीति और नैतिकता तकनीक के साथ चलें, तो एआई मानव सभ्यता का विनाश नहीं, बल्कि उसका उत्कर्ष बन सकता है।एआई इम्पैक्ट 2026 के उद्घाटन सत्र के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत एआई को केवल आर्थिक वृद्धि का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में भारत की जनसांख्यिकी को 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' से 'डिजिटल डिविडेंड' में रूपांतरित करने का आह्वान किया। उनका संकेत स्पष्ट था–यदि युवा शक्ति को एआई कौशल से लैस किया जाए, तो भारत आने वाले दशकों में वैश्विक नवाचार का केंद्र बन सकता है।

भारत के लिए एआई का प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत है। यहाँ की संस्कृति, दर्शन और सामाजिक संरचना हजारों वर्षों से मानव चेतना, नैतिकता और सामूहिकता पर आधारित रही है। एआई इस संरचना में एक नया तत्व जोड़ रहा है–एल्गोरिद्मिक निर्णय। यह निर्णय मानव विवेक का सहायक भी हो सकता है और प्रतिस्थापन भी। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी द्वंद्व की ऐतिहासिक बहस का मंच है।मानव संसाधन के संदर्भ में भारत की चुनौती अद्वितीय है। हर वर्ष लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। परंपरागत उद्योग उतनी गति से रोजगार नहीं पैदा कर पा रहे। एआई आधारित स्वचालन इस संकट को बढ़ा भी सकता है और हल भी कर सकता है। यदि एआई केवल पूंजी-गहन उद्योगों में केंद्रित रहा, तो रोजगार संकट गहराएगा। लेकिन यदि एआई को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, लघु उद्योग और ग्रामीण उद्यमिता में समावेशी रूप से लागू किया जाए, तो यह रोजगार सृजन की नई लहर भी पैदा कर सकता है।

मोदी ने 'एआई फॉर ऑल' की अवधारणा पर जोर देकर इस समावेशन का संकेत दिया। उनका कहना था कि एआई केवल महानगरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की संपत्ति नहीं, बल्कि गाँव, किसान, छात्र और छोटे उद्यमी का भी अधिकार है। एआई इम्पैक्ट 2026 में प्रस्तुत अनेक स्टार्टअप और नीति प्रस्ताव इसी विचार को मूर्त रूप देते हैं।वैश्विक मंच पर भारत की एआई कूटनीति भी इस सम्मेलन का महत्वपूर्ण आयाम है। एआई अब ऊर्जा, रक्षा, साइबर सुरक्षा और आर्थिक प्रभुत्व का नया क्षेत्र बन चुका है। अमेरिका और चीन के बीच एआई प्रतिस्पर्धा एक नई शीत युद्ध की तरह उभर रही है। भारत इस प्रतिस्पर्धा में तीसरे ध्रुव के रूप में उभर सकता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और मानव अधिकारों पर आधारित एआई मॉडल प्रस्तुत करे। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन वक्तव्य इसी 'विश्व मित्र' भूमिका की ओर संकेत करता है।

एआई इम्पैक्ट 2026 में यह भी स्पष्ट हुआ कि डेटा ही नए युग का तेल नहीं, बल्कि नई सभ्यता का रक्त है। भारत के पास विशाल डेटा संसाधन हैं, परंतु डेटा संप्रभुता, निजता और सुरक्षा के प्रश्न अत्यंत संवेदनशील हैं। यदि भारतीय नागरिकों का डेटा वैश्विक तकनीकी निगमों के नियंत्रण में चला गया, तो डिजिटल उपनिवेशवाद का खतरा वास्तविक है। इस सम्मेलन में डेटा लोकलाइजेशन, भारतीय एआई मॉडल और स्वदेशी चिप निर्माण पर हुई चर्चा भारत की डिजिटल संप्रभुता के संघर्ष का संकेत है।

बेरोजगारी की आँधी की आशंका इस सम्मेलन के विमर्श में बार-बार उभरी। कई विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में पारंपरिक नौकरियाँ तेजी से समाप्त होंगी। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि एआई नई रचनात्मक अर्थव्यवस्था को जन्म देगा, जहाँ मानव रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धि और सामाजिक कौशल की मांग बढ़ेगी।

रमज़ान: महज भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं है रोजा

रमजान...एक ऐसा बा–बरकत महीना है जिसका इंतजार साल के ग्यारह महीने हर मुसलमान को रहता है। रोजा केवल भूखे प्यासे रहने का नाम नहीं है। रोजा आंख से मतलब बुरा मत देखो, कान से गलत बात न सुनो, मुंह से अपशब्द न निकले, हाथ से अच्छा काम ही हो, पांव सिर्फ अच्छाई की राह पर चले। कुल मिलाकर बुराई से बचने और भलाई के रास्ते पर चलने का नाम रोजा है। यह महीना गरीब और जरूरतमंद बंदों के साथ हमदर्दी का है। इस महीने में रोजेदार को इफ्तार कराने वाले के गुनाह माफ हो जाते हैं। पैगम्बर मोहम्मद सल्ल. से आपके किसी सहाबी ने पूछा यदि हममें से किसी के पास इतनी गुंजाइश न हो क्या करें।

मुस्ताअली बोहरा

तो हज़रत मुहम्मद ने जवाब दिया कि एक खजूर या पानी से ही इफ्तार करा दिया जाए। यह महीना मुस्तहिक लोगों की मदद करने का महीना है। गरीब और जरूरतमंद चाहे वह किसी भी मजहब के क्यों न हो, उनकी मदद करने की नसीहत दी गयी है। रमजान के महीने में तमाम मुस्लिम लोग जकात देते हैं। बता दें कि जकात का मतलब अल्लाह की राह में अपनी आमदनी से कुछ हिस्सा गरीबों में देना होता है। जकात, सदका, फितरा, खैर खरात, गरीबों और जरुरतमंद हैं उनकी मदद करना जरूरी समझा और माना जाता है। अपनी जरूरीयात को कम करना और दूसरों की जरूरीयात को पूरा करना अपने गुनाहों को कम और नेकियों को ज्यादा कर देता है। रोजा परहेजगारी पैदा करता है। रोजा का मतलब तकवा यानी खुद को बुराई से बचाना और भलाई के काम करना है। मुस्लिम मान्यताओं के मुताबिक पवित्र कुरान इसी महीने नाजिल हुआ था यानी आसमान से उतरा था। रमजान में इबादत खास महत्व माना जाता है। रमजान में गुनाहों की माफी होती है और अल्लाह रहमतों का दरवाजा आपने बंदों के लिए खोलता है।

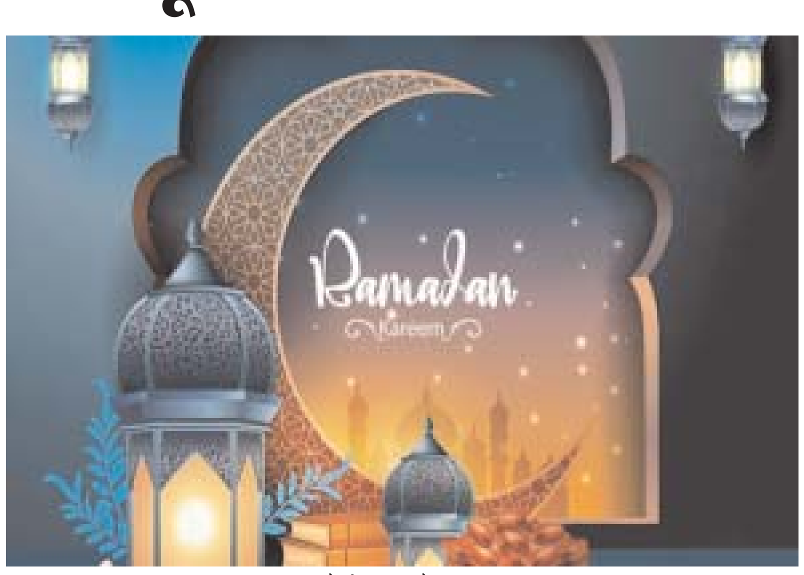

इस्लाम के पांच फर्ज में से एक है रोजा रखना। जो पांच फर्ज हैं उनमें कलमा (अल्लाह को एक मानना), नमाज, जकात (दान), रोजा और हज (मक्का में काबा) शामिल हैं। रमजान को पाक महीना भी कहा जाता और माना जाता है ये महीना रब को इंसान से और इंसान को रब से जोड़ता है। माना जाता है कि इस्लामिक कैलेंडर के नौंवे महीने रमजान में रोजा रखने की शुरुआत दूसरी हिजरी में हुई है। इस्लामी कैलेंडर चांद की स्थितियों के आधार पर चलता है। हिजरी कैलेंडर की शुरुआत 622 ई. में हुई थी, जब हज़रत मुहम्मद साहब मक्का से मदीना गए थे। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान एक महीने का नाम है, जो शाबान के महीने के बाद आता है। यह महीना आठ महीने के बाद यानि नौवें नंबर पर आता है। चांद देखकर रमजान की शुरूआत होती है और चांद देखकर ही ईद मनाई जाती है। अमूमन, सबसे पहले सऊदी अरब में रमजान या फिर ईद का चांद नजर आता है। कुरान की दूसरी आयत सूरह अल बकरा में कहा गया है कि रोजा तुम पर उसी तरह का फर्ज है जैसे तुम से पहले की उम्मत पर फर्ज था। कहा जाता है कि पैगंबर साहब के हिजरत कर मदीना पहुंचने के एक साल बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों को रोजा रखने का हुक्म मिला। तब रोजा रखे जाने की परंपरा की शुरुआत दूसरी हिजरी में हुई। रमजान का पाक महीना हर मुसलमान के लिए बेहद खास माना जाता है। रोजे को अरबी में सौम कहा जाता है, इसलिए इस मास को अरबी में माह-ए-सियाम भी कहा जाता हैं। सोम का मतलब होता है संयम, रोजदार अपने मन और शरीर को वश में कर नमाज पढ़ता है और खुदा की इबादत करता है। फारसी में उपवास को रोजा कहते हैं। रमजान चांद दिखने पर शुरू होता है और उसके अगले दिन से रोजा रखा जाता है। रमजान की महीने को भागों में बांटा गया है, जिसे अशरा कहा जाता है। रमजान के हर अशरे का अलग महत्व है। अशरा अरबी का शब्द है, जिसका मतलब 10 होता है। इस तरह रमजान के महीने के 30 दिनों को 10-10 दिनों में बांटा गया है. जिन्हें पहला अशरा, दूसरा अशरा और तीसरा अशरा कहा जाता है। शुरुआती 10 दिन पहला अशरा कहलाते हैं, 11वें दिन से 20वें दिन तक दूसरा अशरा और 21वें दिन से 29वें या 30वें दिन तक तीसरा अशरा होता है। रमजान के मुकद्दस महीने का खास महत्व है। कुरान शरीफ में बताए नियमों का पालन करते हुए जो रोजा रखते हुए खुदा की इबादत करते है उन्हें 70 गुना सवाब यानी पुण्य मिलता है। कई देशों में रमजान के महीने को कुरान का महीना भी कहा जाता है। रमजान महीने के पहले दस दिनों को रहमत के दिन कहा जाता है। कहा जाता है कि इन दस दिनों में मुसलमान जितने नेक काम करता है, जरूरतमंदों की मदद करता है अल्लाह उस पर रहमत करता है। दूसरे अशरे को मगफिरत यानी माफी का अशरा कहा जाता है। ये अशरा 11वें रोजे से 20वें रोजे तक चलता है। माना जाता है कि इसमें अल्लाह की इबादत करके अगर सच्चे मन से अपने गुनाहों की माफी मांगी जाए तो अल्लाह गुनाहों को माफ कर देता है। तीसरे अशरे को बेहद अहम माना जाता है। ये जहन्नम की आग से खुद को बचाने के लिए है। रमजान के आखिरी अशरे में कई मुस्लिम पुरुष और औरतें एतकाफ में बैठते हैं। माना जाता है कि एतकाफ में बैठने वाले लोगों पर अल्लाह की विशेष रहमत होती है। एतकाफ के दौरान दस दिनों तक एक ही स्थान पर बैठते हैं, वहीं सोते हैं, खाते हैं और इबादत करते हैं। मुस्लिम पुरुष मस्जिद में एक जगह बैठकर अल्लाह की इबादत करते हैं, जबकि महिलाएं घर के किसी कमरे में पर्दा लगाकर एतकाफ में बैठती हैं।

जिले को मोदी की गारंटी के साथ मुख्यमंत्री ने किया 127 करोड़ की ऐतिहासिक विकास सौगात

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरती ने आज विकास, आस्था, जनविश्वास और जनसमर्पण का अभूतपूर्व संगम देखा, जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, एमसीबी जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मालवीय नगर, पोड़ी स्थित मंगल भवन पहुंचे बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े, कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और पुलिस अधीक्षक रतना सिंह सहित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और अधिकारियों ने आत्मीयता एवं गरिमामय वातावरण में उनका स्वागत किया पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिलाओं ने कलश धारण कर चंदन तिलक एवं पुष्प वर्षा के साथ मुख्यमंत्री एवं अतिथियों का अभिनंदन किया दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ और राष्ट्रगान के सामूहिक गान से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो उठा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा 127 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 141 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास मुख्यमंत्री ने 3,879.85 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 82 विकास कार्यों का लोकार्पण किया तथा 8,824.78 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 59 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिले को विकास की ऐतिहासिक सौगात दी गजमाला पहनाकर सभी अतिथियों का सम्मान किया गया जिससे कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और उल्लास की लहर दौड़ गई मंच को संबोधित करते हुए महापौर राम नरेश राय ने अपने विस्तृत उद्बोधन की शुरुआत भगवान जगन्नाथ स्वामी और महाशिवरात्रि के पावन पर्व को नमन करते हुए की उन्होंने कहा कि आज का दिन नगर निगम क्षेत्र के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा यह केवल 127 करोड़ रुपये की राशि नहीं है, बल्कि यह हमारे शहर की नई पहचान है।

10वीं का इंग्लिश पेपर :552 छात्र रहे गैरहाजिर नकल का एक भी केस नहीं, कल 12वीं के एग्जाम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के 66 परीक्षा केंद्रों पर मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं बोर्ड (हाईस्कूल) की अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई परीक्षा में कुल 20,711 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 20,159 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 552 अनुपस्थित रहे राहत की बात यह रही कि जिले में कहीं भी नकल का कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया गया संवेदनशील माने जाने वाले अंग्रेजी विषय में नकल रोकने के लिए उड़नदस्तों ने सुबह से ही औचक निरीक्षण किया जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव खोड़ स्थित उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल केंद्रों पर डटे रहे वहीं, पिछोर बीईओ विनोद गुप्ता, डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार और एपीसी अतरसिंह राजौरिया ने पोहरी क्षेत्र के कन्या उमावि, संदीपनी स्कूल और गोंजालो गार्सिया स्कूल का निरीक्षण किया जिला परीक्षा प्रभारी राजाबाबू आर्य ने शहर और करैरा के केंद्रों का दौरा किया जिला क्रीड़ा अधिकारी चंद्रशेखर बेमटे की टीम ने भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया जिला परीक्षा प्रभारी राजाबाबू आर्य ने बताया कि अनुपस्थित विद्यार्थियों में सर्वाधिक 121 पिछोर विकासखंड से थे। 12वीं कक्षा के ड्रॉइंग एवं डिजाइन विषय में जिले में कोई भी परीक्षार्थी पंजीकृत नहीं था, इसलिए यह पेपर नहीं हुआ बुधवार को 12वीं कक्षा के चार महत्वपूर्ण विषयों की परीक्षा होगी।

'जय जगन्नाथ' के जयघोष से गूंजा चिरमिरी, मुख्यमंत्री ने की प्रदेश की खुशहाली की कामना

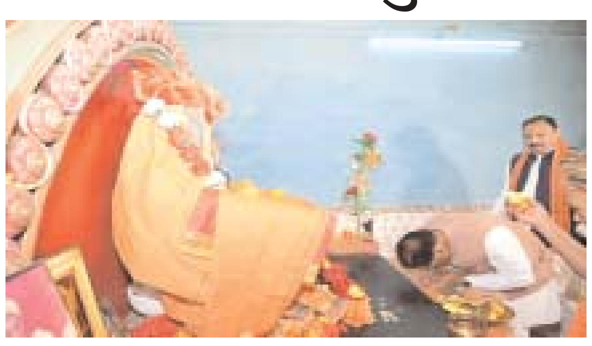

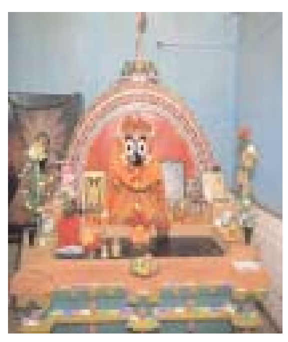

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। श्री जगन्नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय मेले का इस वर्ष विशेष आध्यात्मिक महत्व तब और बढ़ गया,जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं को संबोधित किया।उनके आगमन से पूरा मंदिर परिसर शंखनाद, घंटियों की मधुर ध्वनि, ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'जय जगन्नाथ' के जयघोष से भक्तिमय हो उठा।मंदिर प्रबंधन समिति एवं पुजारियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अंगवस्त्र ओढ़ाकर और चंदन तिलक लगाकर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया।अपार जनसमूह की उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने भगवान के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की भक्तिमय वातावरण में हवन-पूजन और आशीर्वाद मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से हवन-पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर विकास की कामना की इसके पश्चात वे बाबा पुरुषोत्तम पुरी महाराज की कुटिया पहुंचे और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया संत समाज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक मार्गदर्शन समाज को नैतिक शक्ति प्रदान करता है और जनसेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मुख्य मंदिर में पूजा-अर्चना के उपरांत उन्होंने शिव मंदिर में जल अर्पित कर प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की मंदिर परिसर स्थित आनंद बाजार में मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ सादगी पूर्वक बैठकर महा प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता और समानता का संदेश स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ मंदिर समिति की ओर से उन्हें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओं से अलंकृत स्मृति चिन्ह भेंट किया गया मुख्यमंत्री ने इसे आस्था और उत्तरदायित्व का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसे वे आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहर के रूप में संजोकर रखेंगे मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि महाशिवरात्रि हमारी सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है पवित्र भूमि 'देवभोग' से प्राचीन काल से भगवान जगन्नाथ के लिए चावल भेजे जाने की परंपरा रही है जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है उन्होंने कहा कि में भव्य जगन्नाथ मंदिर की स्थापना पूरे आस्था का केंद्र है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत :बेटे की थी 10 वीं की परीक्षा इलाज के दौरान तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर नेशनल हाईवे पर हुए सड़क हादसे में 45 वर्षीय इमरत जाटव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बेटे रूपेश जाटव ने मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया दोनों बदरवास से तहसील का काम निपटाकर गांव बिजरोनी लौट रहे थे तभी बदरवास बायपास पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बदरवास पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर इमरत जाटव अपनी पत्नी कृष्णा जाटव और बेटे रूपेश के साथ बाइक से बदरवास से वापस गांव बिजरोनी जा रहे थे बदरवास बायपास पर सामने से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दूर जा गिरे और वाहन चालक मौके से फरार हो गया हादसे में 45 वर्षीय इमरत जाटव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सांभर का शिकार सिर छोड़कर बाकी धड़ ले गए शिकारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मटकुली रेंज के बफर क्षेत्र में सांभर के शिकार के पांचवें दिन भी शिकारी वन विभाग की पकड़ से दूर हैं शिकारियों ने पिपरिया-पचमढ़ी मुख्य मार्ग से महज 20 मीटर अंदर झिरिया बीट के जंगल में इस वारदात को अंजाम दिया मौके से नर सांभर का सिर, आंत और फेफड़े मिले हैं, जबकि बाकी हिस्सा गायब है वन विभाग की टीम बैरियर और ढाबों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, लेकिन अब तक शिकारियों का सुराग नहीं मिला है जिस क्षेत्र में शिकारियों ने सांभर का शिकार किया, वहां तीन से चार बाघों का मूवमेंट रहता है वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी लगातार इनपुट भेजकर जंगल की सुरक्षा मजबूत करने के लिए टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को पत्र लिख रहे थे इसके बावजूद सुरक्षा में कमी के चलते शिकारी 4 बाघों की टेरिटरी में घुसने में कामयाब हो गए वे शिकार करके भाग भी निकले और वनकर्मियों को भनक तक नहीं लगी गश्ती के दौरान झिरिया बीट के कक्ष क्रमांक 431 में नर सांभर के अवशेष मिले थे।

अब वहां एसटीआर का डॉग स्क्वाड और गश्ती दल लगातार सर्चिंग कर साक्ष्य खोज रहे हैं। मामले में पुलिस की भी मदद ली जा रही है टीम आसपास के ढाबों, होटलों और सार्वजनिक स्थानों पर लगे कैमरों की जांच कर रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान हो सके एसटीआर के सहायक संचालक आशीष खोबरागड़े ने बताया कि वन्य प्राणियों की निगरानी और सफाई के दौरान गश्ती टीम को सांभर का सिर मिला। वन्य प्राणी चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया है। चूंकि एक वयस्क नर सांभर का वजन 150 किलो से अधिक होता है, इसलिए आशंका जताई जा रही है कि जंगल में एक से अधिक शिकारी घुसे थे।

अपर कलेक्टर ने आमजनों की समस्याएँ सुनीं, आवेदनों पर निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे ने जिले के ग्रामीण एवं शहरी अंचलों से आए नागरिकों की समस्याएँ गंभीरता, संवेदनशीलता और धैर्य के साथ सुनीं जनदर्शन के दौरान आम नागरिकों ने अपनी छोटी-बड़ी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याएँ सीधे प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कीं अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों का बारीकी से अवलोकन करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक भटकाव से राहत मिल सके और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास सुदृढ़ हो इस जनदर्शन में कुल 23 आवेदन प्राप्त हुए प्राप्त प्रमुख आवेदनों में छात्र दुर्घटना बीमा दिलाने, भूमि संबंधी प्रकरणों के निराकरण, सीमांकन कराने, प्राथमिक शाला में शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े मामलों, एनएसडीएल कटौती राशि भुगतान, सड़क से अतिक्रमण हटाने, हैंडपंप खनन, अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही, पार्षद निधि में अनियमितता की जांच, किराये की बकाया राशि भुगतान, पारिवारिक विवाद, पीएमईजीपी योजना अंतर्गत ऋण स्वीकृति, वन अधिकार पट्टा में नाम सुधार, शेष मानदेय भुगतान, पीएम आवास पर रोक हटाने, डबरी निर्माण कार्य तथा डिविजन बेंच के आदेशों के अनुरूप पेयजल दोहन पर रोक संबंधी आवेदनों को शामिल किया गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान शिक्षा : सोच-समझकर आगे बढ़ने की आवश्यकता प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारतीय शिक्षा जगत में 'भारतीय ज्ञान परंपरा' का पुनरुत्थान निश्चय ही एक स्वागतयोग्य पहल है यह केवल अतीत के गौरव का स्मरण नहीं, बल्कि बौद्धिक आत्मविश्वास के पुनर्निर्माण का प्रयास भी है। किंतु इसकी सार्थकता इस बात पर निर्भर करेगी कि श्रद्धा और तर्क के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाता है विज्ञान शिक्षा की दृष्टि से भारतीय ज्ञान संपदा को पाँच श्रेणियों में समझा जा सकता है **पहली श्रेणी :** में वह ज्ञान और खोजें आती हैं जो आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर पूर्णतः प्रमाणित हैं इसमें आर्यभट्ट से लेकर आधुनिक भारत के वैज्ञानिकों-जैसे जगदीश चंद्र बसु, सी. वी. रमन, सत्येंद्र नाथ बोस, मेघनाद साहा, होमी भाभा, विक्रम साराभाई, श्रीनिवास रामानुजन, वेंकटरमन रामकृष्णन और ए. पी. जे. अब्दुल कलाम-के वैज्ञानिक योगदान सम्मिलित हैं इनके प्रमाणित शोधों को पाठ्यक्रम में प्रमुखता देना न केवल न्यायसंगत होगा, बल्कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक आत्मविश्वास भी विकसित करेगा **दूसरी श्रेणी :** में वे प्राचीन भारतीय अवधारणाएँ रखी जा सकती हैं जिन्हें आधुनिक विज्ञान प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार नहीं करता, किंतु जिनसे वैज्ञानिक चिंतन को वैचारिक प्रेरणा मिलती है सांख्य दर्शन का प्रकृति-परिवर्तन सिद्धांत, उपनिषदों का ऊर्जा-चेतना संबंध, रस-शास्त्र की धातु अवधारणाएँ अथवा दशावतार में विकास की प्रतीकात्मक कल्पना-इन सभी को ऐतिहासिक और दार्शनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, न कि स्थापित वैज्ञानिक सत्य के रूप में तीसरी श्रेणी में वे विषय आते हैं, जो प्रथम दृष्टया विज्ञान-सम्मत प्रतीत होते हैं, किंतु जिनका वैश्विक प्रमाणीकरण अभी शेष है, जैसे आयुर्वेद के कुछ उपचार, पारंपरिक कृषि प्रणालियाँ अथवा प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कुछ वैज्ञानिक-तकनीकी दावे। इन्हें अंतिम सत्य के रूप में नहीं, बल्कि संभावित अनुसंधान विषय के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थी अंधानुकरण के बजाय वैज्ञानिक परीक्षण की ओर प्रवृत्त हों। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि विश्व के अनेक विश्वविद्यालय भारतीय ग्रंथों में निहित विज्ञान-सम्मत तथ्यों को समझने और प्रमाणित करने में लगे हैं-ऐसे में भारत का पीछे रह जाना दुर्भाग्यपूर्ण होगा **चतुर्थ श्रेणी :** दार्शनिक और प्रतीकात्मक चिंतन की है, जैसे सांख्य और वैशेषिक दर्शन इनका उद्देश्य जीवन-दृष्टि प्रदान करना रहा है, अतः इन्हें विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों के बजाय 'विज्ञान का इतिहास और दर्शन' जैसे पाठ्यक्रमों में स्थान देना अधिक उपयुक्त होगा। **पाँचवीं श्रेणी :** में भारतीय वैज्ञानिकों के जीवन-संघर्ष और प्रेरक कथाएँ सम्मिलित की जानी चाहिए, जिससे यह संदेश मिले कि भारत में रहते हुए भी विश्वस्तरीय शोध संभव है यह भी स्मरणीय है कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल प्राचीन काल तक सीमित नहीं है।

बजरंगदल ने धर्म पूछकर बंद कराई मुस्लिमों की दुकान कहा- मुसलमान होना तुम्हारी गलती

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। दुर्ग जिले में महाशिवरात्रि पर मेला लगाया गया, जहां बड़ी संख्या में मुस्लमानों ने भी दुकानें लगाई बजरंग दल ने धर्म पूछकर उनसे गाली-गलौज की फिर उनकी उनकी दुकानें बंद करवा दी दरअसल, देव बलौदा चरोदा में 13वीं शताब्दी में बने शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर 15 और 16 फरवरी को मेला लगाया गया था सोमवार को बजरंग दल के पदाधिकारियों ने

दुकानें बंद करवा दी बजरंग दल ने मुस्लिम व्यापारियों पर पहचान छिपाकर व्यापार करने का आरोप लगाया विवाद एक गुपचुप चाट वाले से शुरू हुआ एक मुस्लिम गुपचुप वाले के ठेले में अजीत चाट भंडार और जय माता दी लिखा था लेकिन जब ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन किया तो उसका नाम भाईजान चाट वाला आया। बजरंग दल ने थूक और मूत्र जिहाद का आरोप लगाते हुए दुकानदारों को हटवा दिया बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने कहा कि, ये हिंदुओं के साथ धोखा है इनके खून में ही धोखा है तुम्हारी गलती है कि तुम मुसलमान हो मुस्लिम दुकानदारों से कहा कि, अगर अच्छे मुसलमान हो तो गरियाबंद के मामले में कोई भी विरोध करने क्यों नहीं आया बजरंग दल ने धर्म पूछकर गाली-गलौज की, फिर पूरे मेले में सभी दुकानदारों के नाम पूछे और मुस्लिम दुकानदारों से दुकान बंद कर यहां से जाने के लिए कहा इस दौरान कई दुकानदारों के साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की के भी वीडियो सामने आए हैं बजरंग दल के पदाधिकारी निगम और पुलिस को जब्ती बनाने, गिरफ्तारी करने के निर्देश देते रहे साथ ही मुस्लिम दुकानदारों को धमकी भी देते रहे कि निगम की टीम आ रही है, अगर जब्ती नहीं बनाना है तो दुकान समेटो और जाओ इस दौरान सीएसपी छावनी, भिलाई-3 थाने के टीआई और पुलिस जवान भी मौजूद रहे लेकिन वो सिर्फ देखते ही रहे महाशिवरात्रि मेले में बजरंग दल के कार्यकर्ता लगातार मुस्लिम दुकानदारों को यह कह रहे थे कि, अगर अच्छे मुसलमान हो तो गरियाबंद के मामले में कोई भी विरोध करने क्यों नहीं आया।

वनभूमि कब्जा, बकाया भुगतान और पेंशनरों की मांगों पर ज्ञापन जनसुनवाई में नल-जल योजना में गड़बड़ी की भी शिकायतें

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने आमजन की शिकायतें सुनीं इस दौरान नल-जल योजना में अनियमितता, वनभूमि पर अवैध कब्जा, शासकीय वाहन के बकाया भुगतान और पेंशनरों की लंबित मांगों सहित विभिन्न मामलों को लेकर ज्ञापन सौंपे गए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए पिछोर क्षेत्र के निवासियों ने नल-जल योजना में अनियमितता की शिकायत की उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से रियान कंपनी द्वारा संचालित यह योजना वार्डों में शून्य स्थिति में है जबकि शासकीय दस्तावेजों में इसे 100 प्रतिशत पूर्ण दर्शाया गया है आवेदकों ने कुछ प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से कागजी खानापूर्ति का आरोप लगाया एसडीओ पर धमकी देने का आरोप ग्रामीणों के अनुसार, पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई से आम रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए हैं और आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हुई है उन्होंने 10 फरवरी 2026 को एसडीओ व कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार और धमकी देने का भी आरोप लगाया ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है तहसील कोलारस के ग्राम कुम्हरोआ जागीर के ग्रामीणों ने 100 वर्ष पुरानी शासकीय वनभूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों ने इस भूमि पर जोताई कर फसल बो दी है, जबकि यह भूमि वर्षों से मवेशियों के चरने के लिए उपयोग की जाती रही है ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित व्यक्तियों ने बाउंड्री और टपरिया बनाकर भूमि घेर ली है।

छतरपुर में 3 बच्चों की मां ने फांसी लगाई

बच्चे ट्यूशन गए थे, तभी दुपट्टे से लटकी, 13 साल पहले हुई थी शादी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत संकट मोचन पहाड़ी स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सोमवार दोपहर एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 30 वर्षीय सीमा पत्नी संतोष सेन ने दोपहर करीब 4:30 बजे अपने घर में दुपट्टे से फांसी लगा ली। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में डॉ. रोशन द्विवेदी ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मॉर्चरी में रखवाया है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय महिला के बच्चे ट्यूशन पढ़ने के लिए बाहर गए हुए थे। बड़ी बेटी अंकिता ने सबसे पहले मां को फांसी पर लटके देखा। उसने तुरंत अपने पिता संतोष सेन को फोन पर सूचना दी।

संतोष अपनी दुकान से घर पहुंचे, पत्नी को नीचे उतारा और तत्काल जिला अस्पताल ले गए।

कोई बड़ा विवाद नहीं था: पति संतोष सेन ने बताया कि वे अपनी दुकान पर थे जब उन्हें बेटी का फोन आया। उन्होंने कहा, 'शादी को 13 साल हो चुके हैं और तीन बच्चे हैं। पति-पत्नी के बीच कभी कोई बड़ा विवाद नहीं हुआ था।' आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

आज होगा पोस्टमार्टम: घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मंगलवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा और फिर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिना लाइट वाले ट्रैक्टर ने बाइक सवार को रौंदा

खंडवा में मौके पर हुई मौत; खार-राजपुरा के बीच हादसा, ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के खालवा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। खार और राजपुरा गांव के बीच बिना लाइट वाले तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में राजपुरा निवासी रामानंद (35) पिता ज्ञानसिंह की मौके पर ही जान चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खालवा अस्पताल भिजवाया है। पुलिस के मुताबिक, रामानंद बाइक से खार से अपने गांव राजपुरा लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर में लाइट नहीं थी और चालक उसे तेज रफ्तार में चला रहा था।

सिर में गंभीर चोट लगने से मौत: टक्कर इतनी भीषण थी कि रामानंद बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। उनके सिर में गंभीर चोट

आई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर खालवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

ट्रैक्टर पर नंबर नहीं, ड्राइवर की तलाश: पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, जिस पर नंबर भी अंकित नहीं था। फरार चालक की तलाश की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम आज मंगलवार सुबह होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सागर जिला अस्पताल में पलंग पर सोता मिला डॉग

वार्ड नंबर-6 का मामला, सिविल सर्जन बोले- सुरक्षा एजेंसी और स्टाफ को नोटिस देंगे

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के जिला अस्पताल के वार्ड क्रमांक-6 में मरीजों के पास खाली पलंग पर आवारा डॉग लेटे होने का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो किसी परिजन ने रविवार रात के वक्त बनाया है। वीडियो में डॉग आराम से सोता दिख रहा है, जबकि पास में मरीज भर्ती हैं। वीडियो सामने आने के बाद सिविल सर्जन ने सुरक्षा एजेंसी और ड्यूटी पर तैनात स्टाफ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। वीडियो सामने आते ही अस्पताल प्रबंधन ने संज्ञान लिया है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आरएस जयंत ने कहा कि एक रात का वीडियो सामने आया है। जिसमें डॉग वार्ड के पलंग पर सो रहा है। यह लापरवाही है। मामले में अस्पताल की सुरक्षा एजेंसी, वार्ड बॉय और ड्यूटी पर

तैनात स्टाफ को नोटिस जारी किया जाएगा।

अब बंद रहेंगे चैनल गेट: सिविल सर्जन ने बताया कि व्यवस्थाएं सुधारने के लिए अब वार्डों के चैनल गेट बंद रहेंगे। वहां चौकीदार तैनात रहेगा। चैनल गेट के अंदर जालीदार गेट रहेगा। ताकि किसी को वार्ड में जाना हो तो वह चौकीदार से गेट खुलवाकर अंदर जा सके। इसके अलावा सिटी स्कैन की ओर लगा चैनल गेट भी बंद रहेगा। इस व्यवस्था से इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकता है।

प्रबंधन के दावों की खुली पोल: यह वीडियो अस्पताल प्रबंधन की व्यवस्थाओं के दावों की पोल खोल रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि वार्ड में मरीजों के भर्ती होने के बावजूद आवारा जानवर बेरोकटोक अंदर घुस रहे हैं और बिस्तरों पर आराम कर रहे हैं।

खरगोन में बदला मौसम, बादलों से बढ़ी किसानों की चिंता

पश्चिमी विक्षोभ का असर, तापमान में उतार-चढ़ाव और मावठे की आशंका

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। मंगलवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। पश्चिमी विक्षोभ के असर से पिछले तीन दिनों से अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ था। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 1 डिग्री गिरकर 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में 3.10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं और चने की फसल बोई गई है, जो अब पकने की स्थिति में है। आसमान में बादलों के छाए रहने से किसानों को असामयिक बारिश (मावठा) के कारण फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है, जिससे उनकी चिंता बढ़ गई है।

किसान भाव सिंह वास्कले ने बताया कि चने की फसल कटाई

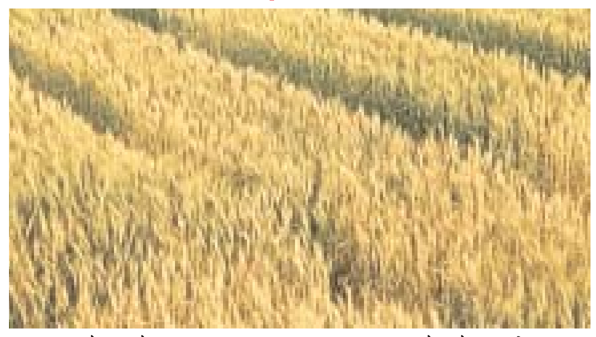

के लिए तैयार है, जबकि गेहूं में अंतिम चरण की सिंचाई चल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले पांच-छह दिनों से दिन के तापमान में लगातार वृद्धि के कारण गेहूं की बालियां तेजी से पीली पड़ने लगी हैं।

निमाड़ क्षेत्र में गर्मी बढ़ी: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, ये बादल पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से छाए हुए हैं। प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में बारिश की संभावना है। इस विक्षोभ के कारण निमाड़ क्षेत्र में गर्मी बढ़ी है। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि बादल छंटने के बाद एक बार फिर तापमान में वृद्धि होने और गर्मी बढ़ने की संभावना है। पिछले 15 दिनों में दिन और रात के तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 15 दिन पहले अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस था। यह बढ़कर क्रमशः 34.4 डिग्री सेल्सियस और 15.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

डिप्टी रेंजर समेत दो को गोली मारी

फायरिंग के बाद आरोपी का शव पेड़ से लटका मिला

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। रायसेन,एजेंसी। रायसेन में पूर्व कर्मचारी ने नर्सरी प्रभारी डिप्टी रेंजर सहित दो लोगों को गोली मार दी। डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा को पीठ में गोली लगी। महिला कर्मचारी सुमन बाई की पीठ में लगी गोली शरीर के आर-पार हो गई। वहीं, एक अन्य कर्मचारी डालचंद भागते समय गिर गया, गोली उसके ऊपर से निकल गई। फायरिंग करने के बाद आरोपी पूरन उर्फ गुड्डा लोधी मौके से भाग निकला। कुछ देर बाद उसका शव एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद पूरन के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। पूरन करीब 5 साल पहले नर्सरी में मजदूरी करता था। ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर उसे हटा दिया गया था।

अस्पताल से नहीं मिली एंबुलेंस: रायसेन जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डिप्टी रेंजर शर्मा को भोपाल रेफर किया गया। अधिकारियों ने फोन लगाया तो पता लगा कि मौके पर कोई भी एंबुलेंस उपलब्ध नहीं है। इसके बाद उन्हें प्राइवेट एंबुलेंस से भोपाल रवाना किया गया।

एक के बाद एक 5 गोलियां चलाईं: पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। बयान में डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा ने कहा कि पूरन देसी कट्?टा लेकर आया था। उसने पांच गोलियां चलाईं। वहीं, बाल-बाल बचे डालचंद ने कहा- पूरन ने साहब को पीठ पर गोली मार दी। मैं कमरे से निकला तो, मुझ पर भी कट्?टा ताना। मैं भागते समय गिर गया, इसलिए मुझे गोली नहीं लग पाई। इसके बाद पूरन ने नर्सरी में ही काम करने वाली मेरी मौसी सुमन पर फायर किया। मैंने उसे पत्थर मारा, तो वह भाग गया।

पहले पैर छुए, फिर की फायरिंग: एडिशनल एसपी कमलेश कुमार खरपुसे ने बताया कि वारदात रायसेन जिले के वनखेड़ी गांव में मंगलवार दोपहर की है। पूरन ने गोली मारने से पहले डिप्टी रेंजर शर्मा के पैर छुए, फिर नाराजगी जताते हुए कुछ बातचीत की। इसके बाद फायरिंग कर दी। पूरन वनखेड़ी गांव का ही रहने वाला है। मामले की जांच की जा रही है।

इटारसी में दो बाइक की टक्कर, 7 लोग घायल

4 साल का बच्चा अस्पताल में भर्ती, एक परिवार के पांच सदस्य जख्मी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी की न्यास कॉलोनी स्थित 'साई की बगिया' गार्डन के सामने सोमवार शाम दो तेज रफ्तार बाइक में सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे में दो परिवारों के कुल सात लोग घायल हो गए हैं।

घायल होने वालों में 4 वर्षीय मासूम पीयूष भी शामिल है, जिसके सिर में चोट लगने से वह मौके पर ही बेहोश हो गया था। उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

डॉ. विकास जयपुरिया के अनुसार, पीयूष के माथे पर चोट आई है, लेकिन अब उसकी हालत स्थिर है। डॉक्टर ने बताया कि फिलहाल पीयूष और उसकी मौसी सोनम का इलाज जारी है और मासूम को डॉक्टरों की निगरानी में

रखा गया है।

एक ही परिवार के पांच सदस्य हुए चोटिल: दुर्घटना में नर्मदापुरम के रहने वाले एक ही परिवार के पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें दिलीप प्रताप (38), सोनिया (32), दौलत देवहरे और सूरज शामिल हैं।

वहीं, दूसरी बाइक पर सवार दीपक ताम्रकार (42) और अजय सोनी (30) को भी चेहरे और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल में इलाज और जांच के बाद उनकी स्थिति सामान्य पाई गई, जिसके बाद वे स्वयं इलाज कराकर घर लौट गए।

स्थानीय लोगों ने की मदद, पुलिस जांच में जुटी: टक्कर की आवाज सुनते ही आसपास के रहवासी और राहगीर मदद के लिए दौड़े और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। हादसे के कारण सड़क पर कुछ देर के लिए जाम भी लगा। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को ही इस दुर्घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है।

हरदा में रेलवे कर्मचारी की बाइक चोरी, CCTV में कैद

भंडारे से बाइक चुराकर ले गया बदमाश

मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)। हरदा में एक रेलवे कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई। यह घटना सोमवार को रेलवे कॉलोनी स्थित शंकर मंदिर के पास हुई, जहां कर्मचारी भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने गया था। सिटी कोतवाली थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शुक्ला कॉलोनी निवासी रेलवे विभाग के ट्रैक मेंटेनर रघुवीर ओनकर ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी लाल रंग की बाइक (नंबर MP 47 MJ 3564) मंदिर के पास खड़ी थी।

भोजन करने के बाद जब रघुवीर ओनकर वापस लौटे, तो उन्हें अपनी बाइक गायब मिली।

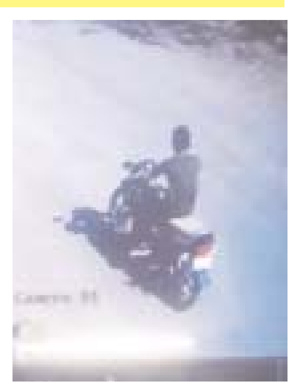

आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक युवक उनकी बाइक ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात चोर की तलाश शुरू कर दी है।

अनुपस्थित शिक्षक को वेतन देने पर प्रभारी प्राचार्य निलंबित

क्रय प्रक्रिया का अनुपालन नहीं करने पर संभाग आयुक्त ने कार्रवाई की

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सागर,एजेंसी। सागर जिले के बांदरी में स्थित संदीपनी स्कूल के प्रभारी प्राचार्य को संभाग आयुक्त अनिल सुचारी ने निलंबित किया है। क्रय प्रक्रिया का अनुपालन नहीं करने और अनुपस्थित शिक्षक को वेतन देने पर प्रभारी प्राचार्य पर कार्रवाई की गई है। कमिश्नर कार्यालय से जारी निलंबन आदेश के अनुसार प्रभारी प्राचार्य संदीपनी विद्यालय बांदरी देवेंद्र कुमार मिश्रा द्वारा की जा रही अनियमितताओं के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के लिए गठित जांच समिति ने जांच के बाद रिपोर्ट पेश की। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र कुमार मिश्रा ने विद्यालय के लिए क्रय की जाने वाली सामग्री के संबंध में मप्र भंडार क्रय नियम और सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) के नियम 9 और प्रपत्र में वर्णित प्रावधान अनुसार प्रक्रिया का नियमानुसार पालन नहीं किया गया। वर्ग 3 सहायक शिक्षक विज्ञान दिव्यांश मिश्रा के विद्यालय में लगातार अनुपस्थित पाए जाने के बाद भी प्रभारी प्राचार्य बांदरी ने सहायक शिक्षक दिव्यांश मिश्रा को वेतन भुगतान किया गया है। जांच समिति से प्राप्त जांच प्रतिवेदन और संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग सागर से प्राप्त अभिमत के अवलोकन के बाद प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र कुमार मिश्रा को प्रथम दृष्ट्या दोषी पाते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

महाशिवरात्रि में सीएमओ सिरमौर ने विझौली में किया अखंड मानस के साथ विशाल भंडारा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महाशिवरात्रि के महा पर्व पर शिव मंदिर में संतोष कुमार सिंह मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिरमौर के द्वारा गृह ग्राम पंचायत विझौली हनुमना में अखंड मानस पाठ के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। संतोष कुमार सिंह द्वारा आयोजित मानस एवम भंडारे में पूर्व विधायक मऊगंज सुखेंद्र सिंह बन्ना, डिप्टी कलेक्टर पवन गुरैया, तहसीलदार शिवम द्विवेदी, श्री संदीप सिंह अध्यक्ष नगर परिषद सिरमौर, नप सिरमौर के पूर्व उपाध्यक्ष बृजेश कुमार पांडेय, नगर परिषद मऊगंज के अध्यक्ष बृजवासी पटेल, अरुण त्यागी सीएमओ हनुमना, पूर्व सीएमओ अमर बहादुर सिंह, पूर्व सीएमओ वंशराज सिंह, एड शैलेंद्र सिंह, एड पंकज श्रीवास्तव, अनिल मिश्र उपयंत्री, पियूष सिंह उपयंत्री, सहायक राजस्व निरीक्षक शंकर सुवन द्विवेदी, सहायक राजस्व निरीक्षक अश्वनी तिवारी, प्रकाश सिंह, अनिमेष पांडेय, उमेश चंद्र रालही, मुकेश पाण्डेय, शशिकांत मिश्रा, ओम प्रकाश अग्निहोत्री, शुशील पांडेय, समीम खान, हर्ष बहादुर सिंह, गहरवार मुन्नीलाल सिंह गहरवार, पुष्पराज सिंह गहरवार, सुशील सिंह गहरवार, उदयराज सिंह गहरवार,पंकज सिंह, सहित नगर परिषद हनुमना, नगर परिषद मऊगंज, नगर परिषद सिरमौर के पार्षद एवम कर्मचारी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी उपस्थित रहे ।

चोरी का आरोपी हाथरस में पकड़ाया :

बस में हुई चोरी का खुलासा, पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया पुलिस ने बस में हुई चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी के जेवरात बेचकर मिले 70,000 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। यह चोरी 6 अगस्त 2025 को पिपरिया बस स्टैंड पर हुई थी।

घटना के अनुसार, 6 अगस्त 2025 को दोपहर 3 बजे नर्मदापुरम निवासी राजेश वर्मा की पत्नी अंजली वर्मा अपने पिता के साथ नर्मदापुरम से सेमरी किशोर बस से पिपरिया आई थीं। पिपरिया बस स्टैंड पर बस बदलने के दौरान उन्होंने अपना बैग बस में ही छोड़ दिया और फल खरीदने के लिए नीचे उतर गईं। इसी बीच, एक अज्ञात व्यक्ति ने उनके बैग से सोने-चांदी के जेवरात और कुछ नकदी वाला पर्स चुरा लिया।

फरियादी की रिपोर्ट पर पिपरिया थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से अज्ञात आरोपियों की पहचान की। मुखबिरों की सूचना पर आरोपियों की तलाश की गई।

जांच के दौरान आरोपियों की पहचान हाथरस, उत्तर प्रदेश निवासी बॉबी दर्जी, मेघ सिंह कुशवाहा और नंदकिशोर यादव के रूप में हुई। पुलिस ने पहले अलीगढ़ और हाथरस में

टीमें भेजकर मेघ सिंह और नंदकिशोर यादव को गिरफ्तार किया था। मंगलवार को फरार आरोपी बॉबी उर्फ देवेंद्र सिंह दर्जी को भी एक विशेष स्थान से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस हिरासत में उनसे पूछताछ जारी है। अब तक चोरी के जेवरात बेचकर प्राप्त 70,000 रुपये नकद बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस ने उस सुनार की भी पहचान कर ली है, जिसे जेवरात बेचे गए थे।

नंदकिशोर यादव (36) निवासी मिर्जापुर, जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश; मेघसिंह (45), निवासी ऐहान, जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश; और बॉबी उर्फ देवेंद्र सिंह दर्जी (47), निवासी ग्राम ऐहान, जिला हाथरस, उत्तर प्रदेश।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह कुशवाहा, सहायक उप निरीक्षक सुशील कुशवाह, प्रधान आरक्षक योगेश यादव, महेंद्र गौर, अरुण जुदेव, आरक्षक अतुल विश्वकर्मा, आरक्षक मोहसिन खान, हेमंत पटेल, अमरदास, आरक्षक ललित हरणे, स्नेह साहू,जितेंद्र (साइबर सेल) की उल्लेखनीय भूमिका रही।

टी20 वर्ल्ड कप: सुपर-8 में पहुंचा इंग्लैंड, मगर टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं कप्तान ब्रूक

कोलकाता, एजेंसी। भले ही इंग्लैंड ने आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में जगह बना ली है, लेकिन इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक इटली के खिलाफ मिली 24 रन की जीत से खुश नहीं हैं। ब्रूक ने स्वीकारा है कि उनकी टीम अभी तक अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं पहुंची है। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान ब्रूक ने कहा, हमने अपना बेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन आखिर में, हम आगे बढ़ गए हैं। हम अगले राउंड में जा रहे हैं, इसलिए हम इसके लिए खुश हो सकते हैं।÷ इंग्लैंड ने बैटिंग करने के बाद 202/7 का स्कोर बनाया, जिसमें विल जैक्स ने नाबाद अर्धशतक लगाकर पारी को संभाला। हालांकि, ब्रूक ने माना कि इंग्लैंड की बैटिंग यूनिट ग्रुप स्टेज में उतनी निरंतरता नहीं रही जितनी वे चाहते थे।

उन्होंने कहा, हां, प्रतियोगिता में अब तक यह थोड़ा ट्रेंड रहा है। हम बैटिंग यूनिट के तौर पर उतना स्कोर नहीं बना पाए हैं जितना हम बनाना चाहते थे, लेकिन

यह टी20 क्रिकेट का हिस्सा है।

इस फॉर्मेट के अप्रत्याशित होने पर जोर देते हुए, ब्रूक ने लगातार इंटेंट की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, एक दिन आप शतक बना सकते हैं, और अगले दिन आप पहली बॉल पर आउट हो सकते हैं। हमें बस हिम्मत बनाए रखनी होगी और अपने विकल्प इस्तेमाल करने होंगे। उन्होंने इंग्लैंड की डेथ बॉलिंग, खासकर सैम करन की खास तारीफ की, जिनके सही समय पर किए गए ब्रेकथ्रू ने जीत सुनिश्चित करने में मदद की। उन्होंने आगे कहा, हमने बहुत अच्छी फील्डिंग की। हमने अच्छी गेंदबाजी भी की, और मुझे लगता है कि सैमी और जेमी ने आखिर में कुछ ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया। वह (सैम) बहुत बढ़िया खेले। वह अब तक पूरे टूर्नामेंट में रहे हैं, और हम किसी तरह बच निकले हैं, लेकिन कुछ अच्छे प्रदर्शन भी हुए हैं, खासकर उन्होंने और विल जैक ने मुश्किल हालात में हमारा साथ दिया। यह वाकई अच्छा है।

राशिद खान ने रचा इतिहास, टी20 में 700 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान टी20 क्रिकेट में 700 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद ने टी20 विश्व कप 2026 में सोमवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में यूएई के खिलाफ खेले गए मैच में यह उपलब्धि हासिल की। राशिद ने यूएई की पारी के 16वें ओवर में मुहम्मद अरफान को आउट करके टी20 में अपना 700वां विकेट हासिल किया। अरफान ने रिवर्स स्वीप करने की कोशिश की लेकिन चूक गए और हिट विकेट हो गए। राशिद ने पिछले सप्ताह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में अपना 698वां और 699वां विकेट लिया था।

लीग क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मिलाकर टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट राशिद खान के बाद वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो के नाम हैं। ब्रावो ने 631 विकेट लिए हैं। तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के स्पिनर सुनील नरेन हैं। नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

राशिद ने अंतरराष्ट्रीय टी20 में भी सबसे ज्यादा विकेट (191) हासिल किए हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी (164) और लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी (162) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

पिछले सप्ताह राशिद खान ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, 700 विकेट, चाहे जो भी उपलब्धि हो, वह जारी रहेगी। मैंने अपने मन में कोई लक्ष्य नहीं रखा है कि मैं 700 विकेट लेकर रुक जाऊंगा। जब मैं विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलता हूं, तो मैं 100 प्रतिशत कोशिश करता हूं, और जब टीम को जरूरत होती है, तो विकेट लेता हूं।÷

यूएई के खिलाफ खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने 5 विकेट से जीत हासिल की। यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 160 रन बनाए थे। अफगानिस्तान ने 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 162 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता। राशिद ने इस मैच में 1 विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप- निसांका का तूफानी शतक, ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से रौंदकर सुपर-8 में श्रीलंका

पल्लेकेले, एजेंसी। श्रीलंका ने रविवार को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से मात दी। लगातार तीसरी जीत के साथ श्रीलंका ने सुपर-8 में जगह बना ली है। श्रीलंका ने अपने पहले मैच में आयरलैंड को 20 रन से हराया। इसके बाद ओमान को 105 रन से रौंदा था। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 67 रन से मुकाबला जीतने के बाद जिम्बाब्वे के विरुद्ध 23 रन से मैच गंवाया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को लगातार दूसरी बार उलटफेर का शिकार होना पड़ा है। पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 181 रन पर सिमट गई। इस टीम को ट्रेविस हेड और कप्तान मिचेल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 8.3 ओवरों में 104 रन की साझेदारी की। हेड ने 29 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 56 रन बनाए, जबकि कप्तान मार्श ने 27 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 54 रन की पारी खेली।

इनके अलावा, जोश इंगलिस ने 22 गेंदों में 27 रन जुटाए, जबकि ग्लेन मैक्सवेल ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से दुशन हेमंथा ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि दुष्मंथा चमीरा ने 2 शिकार किए।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 18 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम को महज 8 के स्कोर पर कुसल परेरा (1) के रूप में बड़ा झटका लगा। यहां से पथुम निसांका ने कुसल मेंडिस के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों में 97 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया था।

श्रीलंका को 105 के स्कोर पर मेंडिस के रूप में दूसरा झटका लगा, जिन्होंने 38 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 51 रन की पारी खेली। यहां से निसांका ने पवन रतनायके के साथ 34 गेंदों में अटूट 79 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को दमदार जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्कस स्टोइनिस इकलौते सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 46 रन देकर 2 विकेट निकाले।

टी20 विश्व कप 2026 : न्यूजीलैंड की टीम सुपर-8 में पहुंची, कनाडा को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी । टी20 विश्व कप 2026 के 31वें मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने ग्रुप डी के मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ग्रुप डी से दक्षिण अफ्रीका के साथ सुपर-8 स्टेज में पहुंच चुका है। न्यूजीलैंड ने ग्रुप डी से अपने अभियान का समापन चार मैचों में तीन मुकाबले जीतकर किया। उनको दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मुकाबले में 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए आज के मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कनाडा ने 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए। कनाडा की ओर से ओपनर युवराज शर्मा ने केवल 65 गेंदों पर 110 रनों की पारी खेली। उनके और दूसरे ओपनिंग बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा के बीच पहले विकेट के लिए 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई।

कप्तान बाजवा 39 गेंदों पर 36 रनों की धीमी पारी खेलकर आउट हुए, हालांकि दूसरे छोर से युवराज ने रन गति को बनाए रखा। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हैनरी, जैकब डफी, काइल जैमिसन, जेम्स नीशम को 1-1 विकेट मिला।

174 रनों के टारगेट के जवाब में न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य केवल 15.1 ओवर में हासिल कर लिया। कनाडा के उल्ट कीवियों की शुरुआत खराब रही, जब ओपनिंग बल्लेबाज टिम सेफर्ट 10 गेंदों पर 6 रनों की पारी खेलकर आउट हो गए। उनको साद बिन जाफर ने आउट किया। इसके बाद फिन एलन भी तुरंत आउट हो गए। एलन ने केवल 8 गेंदों पर 21 रनों की पारी खेली। 30 रनों के स्कोर पर दो विकेट गिर जाने के बाद रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर नाबाद विजयी साझेदारी की। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों पर चार चौके और तीन छक्कों की बदौलत 59 रनों की पारी खेली, जबकि ग्लेन फिलिप्स 36 गेंदों पर 76 रन बनाकर विस्फोटक अंदाज में दिखाई दिए।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया सही रास्ते पर, उम्मीद है कि मोमेंटम बना रहेगा: बीसीसीआई सचिव सैकिया

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने वर्ष 2026 के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। ग्रुप चरण में लगातार तीनों मैच जीतकर भारत ने सुपर 8 में अपनी जगह पक्की कर ली है। खास बात यह है कि ग्रुप ए का एक मैच अभी बाकी है, फिर भी टीम अगले दौर में पहुंच चुकी है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का कहना है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। अब तक अपराजित रही भारतीय टीम बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगी। टीम की कोशिश होगी कि वह लगातार चौथी जीत दर्ज करे और सुपर 8 में पूरे आत्मविश्वास और लय के साथ प्रवेश करे। सैकिया ने कहा कि टूर्नामेंट में अब तक टीम इंडिया सही रास्ते पर है और उम्मीद है कि यह लय आखिर तक बनी रहेगी। उन्होंने आईएएनएस से ??कहा, ÷टीम इंडिया टूर्नामेंट में अब तक सही रास्ते पर आगे बढ़ रही है...उम्मीद है कि मोमेंटम

आखिर तक बना रहेगा।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ करीबी जीत से की थी। एक समय टीम का स्कोर 77 रन पर 6 विकेट था और स्थिति मुश्किल लग रही थी। उस समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने दबाव में नाबाद 84 रन की शानदार पारी खेली और टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टीम इंडिया ने 29 रन से मैच जीत लिया।

दूसरे मैच में नामीबिया के खिलाफ भारत ने टूर्नामेंट का सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। टीम ने 209 रन का बड़ा स्कोर बनाया। शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने अहम योगदान दिया। ईशान किशन ने तेज 61 रन बनाए, जबकि हार्दिक पांड्या ने 52 रन की आक्रामक पारी खेली। इसके बाद गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए नामीबिया को 93 रन से हरा दिया।

सबसे चर्चित मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 175 रन बनाए। इस मैच में ईशान किशन ने 40 गेंदों पर तेज 77 रन की पारी खेली, जिसने टीम की जीत की नींव रखी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया और पाकिस्तान को 114 रन पर समेट दिया। भारत ने यह मैच 61 रन से जीता। यह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी जीत रही। इसी जीत के साथ सुपर 8 में भारत की जगह लगभग तय हो गई थी। तीन मैचों में तीन जीत और अच्छा रन रेट होने के कारण भारत न केवल अगले दौर में पहुंचा है, बल्कि मजबूती के साथ आगे बढ़ा है। टीम का आत्मविश्वास ऊंचा है और अब उसकी नजर सुपर 8 में भी इसी प्रदर्शन को दोहराने पर होगी।

टी20 विश्व कप: अजमतुल्लाह ओमरजाई का गेंद और बल्ले से धमाका, अफगानिस्तान ने यूएई को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप डी के मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को हरा दिया। विश्व कप में अफगानिस्तान की यह पहली जीत है। सोमवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में यूएई ने अफगानिस्तान को जीत के लिए 161 रन का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही थी। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज बिना खाता खोले आउट हो गए। इब्राहिम जादरान और गुलबदीन नायब ने दूसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़े। नायब 12 गेंद पर 13 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। सेदिकुल्लाह अटल 14 गेंद पर 16 रन बनाकर आउट हुए। जादरान ने अर्धशतक लगाया। वह 41 गेंद पर 53 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

दरविश रसूली ने 23 गेंद पर 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 33 और अजमतुल्लाह ओमरजाई ने 21 गेंद पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से नाबाद 40 रन की पारी खेली। रसूली और ओमरजाई की पारियों की वजह से ही 19.2 ओवर में अफगानिस्तान ने 5 विकेट पर 162 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीता।

इससे पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 9 विकेट पर 160 रन बनाए थे। यूएई के लिए शोएब खान ने 48 गेंद पर 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 68 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा आलिशान सराफू ने 31 गेंद पर 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए थे।

अफगानिस्तान की तरफ से ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजाई ने सबसे बेहतरीन गेंदबाजी की। ओमरजाई ने 4 ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट लिए। मुजीब उर रहमान ने 4 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए। राशिद खान ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिया।

सिरमौर कप टाइटल: जयपुर पोलो टीम ने कैरीसिल सुहाना को हराकर जीता खिताब

जयपुर, एजेंसी। जयपुर पोलो टीम ने शानदार परफॉर्मेंस देते हुए कैरीसिल सुहाना को 14-10 से हराया और रैफल्स सिरमौर कप जीता। इस तरह छह चक्करों में अटैकिंग दबदबे और लगातार नियंत्रण के साथ सीजन का अपना आठवां खिताब जीता। कैरीसिल सुहाना ने तेज शुरुआत की, शुरुआती दबाव बनाया और तेजी से हुए बदलावों का फायदा उठाते हुए पहले चक्कर के आखिर में 3-1 की बढ़त बना ली। जयपुर ने दूसरे चक्कर में फिर से टीम बनाई, पजेशन में बेहतर रिदम पाया और अपने रक्षा कवच को मजबूत किया, लेकिन कैरीसिल ने हाफटाइम तक 4-3 की बढ़त बनाए रखी। टर्निंग पॉइंट तीसरे चक्कर में आया। जयपुर ने जोरदार तरीके से गियर बदला। तेजी से बॉल मूवमेंट और तेज तर्रार फॉरवर्ड प्ले से कई गोल किए। लांस वॉटसन ने गोल के सामने क्लिनिकल प्रिसिजन के साथ चार्ज का नेतृत्व किया, जिसमें मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे का अच्छा साथ मिला। तीसरे चक्कर के आखिर तक, जयपुर 8-6 से आगे हो गया था, और उसने अपने दम

पर कमी को पूरा किया।

चौथे चक्कर में दोनों टीमें एक तकनीकी लड़ाई में उलझी हुई थीं, जिसमें रक्षात्मक अनुशासन हावी रहा और स्कोर 8-6 पर ही रहा। हालांकि, जयपुर ने संयम और नियंत्रण बनाए रखा और धीरे-धीरे गेम पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

पांचवें चक्कर में, जयपुर ने अपनी बढ़त काफी बढ़ा ली। लगातार दबाव और तेज फिनिशिंग ने उन्हें बढ़त 11-6 तक पहुंचा दी, और ट्रॉफी पर उनका एक हाथ मजबूती से था। कैरीसिल सुहाना ने आखिरी पीरियड में मटियास वायल और मैनुअल प्राडो की कड़ी मेहनत से वापसी की, जिससे अंतर कम हो गया, लेकिन जयपुर की अटैकिंग गहराई ने यह पक्का किया कि वे मुकाबला 14-10 से जीत लें।

लांस वॉटसन ने नौ गोल करके शानदार परफॉर्मेंस दी, जिससे जयपुर का अटैकिंग दबदबा बना रहा। मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे ने चार जरूरी गोल किए, जबकि जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने एक गोल किया। टीम ने अनुभव, तकनीकी अनुशासन और आक्रामक अंदाज को मिलाकर रैफल्स सिरमौर कप में जीत हासिल की और इस शानदार सीजन का अपना आठवां खिताब जीता।

सोनौरा की सरकारी जमीनों पर फिर शुरु हुआ अवैध प्लाटिंग का खेल

करोड़ों की शासकीय जमीनों को डंके की चोट पर बेच रहा है भूमाफिया

स्थानीय पटवारी यज्ञ नारायण शुक्ला की अवैध अतिक्रमण को मौन स्वीकृति,शिकायतों से कोई लेना देना नहीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रघुराजनगर तहसील के सोनौरा गांव में सरकारी आराजी पर अवैध प्लाटिंग का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से भूमाफिया के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। आरोप है कि सरकारी जमीन को निजी आराजी की आड़ में काटकर प्लाट बेचे जा रहे हैं और खरीदारों को गुमराह किया जा रहा है। मामला सतना जिले के रघुराजनगर तहसील क्षेत्र के सोनौरा गांव से जुड़ा है, जहां स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के नजदीक स्थित जमीनों पर बड़े पैमाने पर

अवैध प्लाटिंग की जा रही है। जानकारी के अनुसार निजी आराजी नंबर 100/1, 101/1 सहित अन्य 19 किता की आड़ लेकर शासकीय आराजी नंबर 294/2 और 295(एस) की जमीन पर कब्जा कर प्लाट काटे जा रहे हैं। दस्तावेजी जानकारी के मुताबिक आराजी नंबर 294/2 में कुल रकबा 0.1700 हेक्टेयर और आराजी नंबर 295(एस) में 1.8660 हेक्टेयर भूमि दर्ज है। दोनों को मिलाकर यह क्षेत्रफल पांच एकड़ से अधिक है। आरोप है कि इसी शासकीय भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर बिक्री की तैयारी की जा रही है। बताया गया है कि इस पूरे मामले की लिखित शिकायत 16 जून 2025 को कलेक्टर और रघुराजनगर एसडीएम को दी गई थी। शिकायत में स्पष्ट रूप से सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा और प्लाटिंग का उल्लेख किया गया था, लेकिन अब तक किसी प्रकार की जमीनी कार्रवाई नहीं होने से शिकायतकर्ताओं में नाराजगी है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि प्लाट खरीदने आने वाले लोगों को निजी मालिकाना वाली आराजी नंबर 100/1 और 101/1 के कागजात दिखाए जाते हैं, जबकि मौके पर कब्जा शासकीय जमीन पर दिया जाता है। इस तरह खरीदारों को रिकॉर्ड और वास्तविक कब्जे के बीच अंतर छिपाकर भ्रमित किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर राजस्व और नगर प्रशासन की संयुक्त टीम भेजकर सीमांकन कराया जाए और अवैध प्लाटिंग पर तत्काल रोक लगाई जाए। फिलहाल कार्रवाई न होने से सरकारी जमीन के लगातार खुर्दबुर्द होने का खतरा बढ़ता जा रहा है।

मझगवां के जंगलों में दिखा टाइगर बाघ की दहशत, वन विभाग ने बढ़ाई गश्त, ग्रामीणों को जंगल न जाने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां वन परिक्षेत्र के खोडरी-डेंगरहट जंगल में बाघ की मौजूदगी से हड़कंप मच गया है। सोमवार सुबह स्थानीय चरवाहों और वन सीमा से सटे किसानों ने बाघ को नाले के पास बैठा देखा। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। बाघ का वीडियो सामने आने के बाद आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के मुताबिक, बाघ पिछले दो दिनों

से इसी इलाके में सक्रिय है। उसे दिन के समय जंगल की झाड़ियों में आराम करते हुए देखा जा रहा है। बाघ की गतिविधि को देखते हुए वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। वन विभाग के मैदानी अमले ने ग्रामीणों को हिदायत दी है कि वे जंगल की ओर अकेले न जाएं। साथ ही अपने मवेशियों को भी खुले में न छोड़ें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि खोडरी-डेंगरहट का वन क्षेत्र प्राकृतिक रूप से काफी समृद्ध है। यह क्षेत्र पन्ना लैंडस्केप से जुड़े कॉरिडोर का हिस्सा माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां बाघ का दिखना इस बात का संकेत है कि जंगल अब भी वन्यजीवों के लिए उपयुक्त आवास प्रदान कर रहे हैं।

ओलम्पियाड प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान पाने वाले बच्चे हुए सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शिक्षा केन्द्र के तत्वाधान में कक्षा 2 से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों की 16 जनवरी 2026 को हुई जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाले छात्र प्रतियोगियों को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कछवाह, और सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने सतना जिले के विभिन्न 11 विषयों की ओलम्पियाड जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले 11 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, पुरूस्कार किट एवं कप प्रदान कर सम्मानित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि मेधावी बच्चों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए सरकार अनेक योजनायें संचालित कर रही है। विद्यार्थियों के साथ ही उनके माता-पिता और मार्गदर्शी शिक्षकों को भी सम्मानित किया जा रहा है ताकि अन्य छात्र और शिक्षक इनसे प्रेरणा ले सके बढे तो सफलता निश्चित ही मिलती है।

नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले भर में आयोजित जन-जागरूकता गतिविधियों के विजेता प्रतिभागियों का सम्मान जिला पंचायत सभाकक्ष सतना में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल के मुख्यातिथ्य तथा उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राजीव सिंह, एनएसएस प्रभारी क्रांति रजोरिया, सामाजिक न्याय विभाग के कलाकार केके शुक्ला, प्रदुम्न द्विवेदी, रामपाल सिंह, अनिरुद्ध यादव, अंजली तिवारी, ऊषा बसोर सहित सामाजिक न्याय विभाग व डीडीआरसी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अक्टूबर-नवंबर 2025 के दौरान जले की जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रंगोली, चित्रकला, पेंटिंग, निबंध लेखन, वाद-विवाद तथा नुक्कड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। इनके अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 250 छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही संबंधित शिक्षकों, सहायक प्राध्यापकों एवं प्राध्यापकों को भी सम्मान प्रदान किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि नशा परिवार की उम्मीद निगल रहा है, इसलिए स्वयं नशे से दूरी बनाकर समाज को भी इससे मुक्त कराने का संकल्प लें।

उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता पंकज सिंह परिहार ने कहा कि नशा रूपी ज़हर का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। समय रहते जागरूक न हुए तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। बताया कि मादक पदार्थों से जुड़ी जानकारी, परामर्श व पुनर्वास के लिए नार्कोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 प्रारंभ की गई है।

शादी के गहनों पर चोरों का हाथ साफ,नागौद क्षेत्र में घर से 80 हजार नकद और जेवर चोरी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद थाना क्षेत्र के पोंडी चौकी अंतर्गत पनगरी गांव में सोमवार देर रात चोरी की वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने एक घर से बेटी की शादी के लिए रखे गहने और घर की छपाई के लिए रखी 80 हजार रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना पनगरी निवासी लक्ष्मण सिंह के घर पर हुई। लक्ष्मण सिंह पीथमपुर में नौकरी करते हैं और वारदात के

समय घर पर मौजूद नहीं थे। घर में उनकी पत्नी, बहू और बेटी मौजूद थीं। ताला तोड़कर घर में घुसे थे बदमाश देर रात अज्ञात चोर मकान में घुस गए। उन्होंने दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और घर के अंदर रखी अलमारी तथा बक्सों को खंगाल डाला। चोरों ने बेटी की शादी के लिए रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी रकम चुरा ली। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य हैरान रह गए। सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है और संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

कन्या छात्रावास की छात्रा की तबीयत बिगड़ी जिला चिकित्सालय में उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला संयोजक डॉ. अरूण शुक्ला ने बताया कि सीनियर अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास, संग्राम कॉलोनी सतना में अध्ययनरत कक्षा 12वीं की छात्रा कु. रंजना साकेत की तबीयत 14 फरवरी 2026 को सायं 6 बजे अचानक बिगड़ गई। छात्रा को चक्कर आने की शिकायत पर छात्रावास में उपस्थित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रुकमणी देवी द्वारा तत्काल छात्रा की माता को दूरभाष पर सूचना दी गई। छात्रा की माता के जबलपुर में होने की जानकारी मिलने पर सतना में निवासरत मामा शैलेन्द्र साकेत से संपर्क किया गया। सूचना मिलते ही मामा ने छात्रा को जिला चिकित्सालय ले जाने का निर्देश दिया। इसके पश्चात छात्रावास में मौजूद कर्मचारी रुकमणी देवी एवं कक्षा 12वीं की दो अन्य छात्रायें कन्या साकेत तथा आंचल साकेत छात्रा को तत्काल जिला चिकित्सालय सतना ले जाकर भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा आवश्यक उपचार किया गया। उपचार के दौरान छात्रा के मामा शैलेन्द्र साकेत निवासी ग्राम जमोड़ी जिला अस्पताल पहुंचे। तत्पश्चात छात्रावास अधीक्षिका बीणा सिंह कुशवाहा भी जिला चिकित्सालय में उपस्थित रहीं।

मैदानी अफसरों ने विधानसभा को भेजी फर्जी जानकारी!

150 करोड़ के नागौद-मैहर सड़क प्रोजेक्ट में बड़े भ्रष्टाचार का खेल, अब कई बड़े अफसरों की फंसेगी गर्दन!

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद से मैहर (वाया सुरदहा-परसमनिया) तक बन रही 61 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़क, जिसकी अनुमानित लागत 150 करोड़ रुपये है, अब भ्रष्टाचार और अवैध खनन के गंभीर आरोपों से घिरी हुई है। यह निर्माण कार्य विधानसभा में ध्यानाकर्षण और तारांकित प्रश्नों के केंद्र में आ चुका है, ठेका कंपनी मेसर्स रविशंकर जायसवाल पर मुख्य आरोप है कि परसमनिया पहाड़ क्षेत्र में ओवरबर्डन (मलबा) हटाने की अनुमति की आड़ में अवैध उत्खनन किया गया।

कंपनी ने बड़े आकार (ओवर साइज) के सूखे पत्थरों को ड्ढस्रूरू (वेट मिक्स मैकाडम) और ष्टक्रूरू की जगह सड़क में बिछा दिया, जिससे मानक स्तर की बजाय घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ। केवल पत्थरों की साइज जांच से ही करोड़ों का भ्रष्टाचार बेनकाब हो सकता है। विभागीय अधिकारियों ने भी कथित तौर पर मलाई खाई और भुगतान में सांठगांठ की।इससे पहले इसी कंपनी पर पन्ना जिले की दो बड़ी सड़कों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जहां निर्माण के एक साल के भीतर सड़कें ध्वस्त हो गईं। तब स्थानीय सांसद वीडी शर्मा ने शिकायत की, लेकिन ठेकेदार के रसूख और कथित मंत्री निकटता के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब मामला और गंभीर हो गया है, क्योंकि नागौद के कुछ भ्रष्ट अफसरों ने विधानसभा को फर्जी जानकारी भेजकर खुद को क्लीन चिट दिलाने की कोशिश की है। उन्होंने वर्षों पहले बंद हो चुके एक ड्ढस्रूरू प्लांट (जो जमीन पर मौजूद ही नहीं) के कागजी किरायनामे और सेकंड हैंड कम क्षमता वाले एक प्लांट को स्थापित कर ऑल इस वेल की रिपोर्ट तैयार कर विधानसभा को गुमराह करने का प्रयास किया। लेकिन इस बार इंजीनियर पृष्ठभूमि के विधायक डॉ राजेंद्र सिंह और सिद्धार्थ कुशवाहा जैसे सजग विधायक सामने हैं, जिन्हें आसानी से गुमराह नहीं किया जा सकेगा। यदि विधानसभा की उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच टीम मौके पर पहुंची, तो कई विधानसभा में भेजी गई फर्जी जानकारी के कारण कई बड़े अफसरों सहित मैदानी अधिकारी मुसीबत में फंस सकते हैं। यह मामला लोक निर्माण विभाग में सिस्टेमेटिक भ्रष्टाचार को उजागर करता है। जिसमें विकास के नाम पर करोड़ों की लूट अब विधानसभा के एजेंडे पर है। स्थानीय समाजसेवी द्वारा जांच और सख्त कार्रवाई की मांग कर इस बड़े भ्रष्टाचार को आर्थिक अपराध ब्यूरो में भी भेजे जाने की जानकारी की बात सुनने में आ रही है।

अग्रवाल महिला मंडल की महाशिवरात्रि स्पेशल मीटिंग में रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था अग्रवाल महिला मंडल द्वारा 17 फरवरी को महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में विशेष बैठक का आयोजन बूटी बाई स्कूल स्थित अमृत हॉल में किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष सीमा एवं सचिव पूजा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सिंघाड़े के आटे से फलाहारी नमकीन व्यंजन बनाने तथा ताजे फूल-पत्तियों से भगवान शंकर की आकर्षक प्रतिमा तैयार करने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता और पाक-कौशल का प्रदर्शन किया। साथ ही सदस्यों के लिए होजी एवं अन्य मनोरंजक खेल भी आयोजित किए गए, जिससे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। फलाहारी व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिंकी ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान ममता एवं नीता को तथा तृतीय स्थान कांता और मृदुला को मिला। वहीं फूल-पत्तियों से शंकर जी बनाने की प्रतियोगिता में ऋतु प्रथम और मृदुला द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता की निर्णायक पूर्व अध्यक्ष विनीता एवं ऋतु गौरी रहीं। कार्यक्रम में मंडल की कई सदस्य एवं पूर्वाध्यक्षाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की जानकारी पीआरओ नमिता एवं जया द्वारा प्रदान की गई।

साप्ताहिक जनसुनवाई में महापौर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर,सतना (निप्र)। नगर निगम परिसर में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में आज महापौर योगेश कुमार ताम्रकार नगर निगम की टीम के साथ उपस्थित रहे और शहरवासियों की समस्याओं को आत्मीयता एवं गंभीरता से सुना। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव लेकर पहुंचे। महापौर ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित विषयों पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की समस्या महत्वपूर्ण है और जनसेवा ही उनका प्रथम दायित्व है। जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने

स्पष्ट रूप से कहा कि शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महापौर ने अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि नगर निगम जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी जबलपुर से गिरफ्तार,शादी का वादा कर किया था शारीरिक शोषण भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शादी का वादा कर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। तीन महीने की तलाश के बाद आरोपी सोनू कश्यप को पकड़ा गया और उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 33 वर्षीय पीड़िता की पहचान वर्ष 2024 में सोशल मीडिया के माध्यम से जबलपुर निवासी सोनू पुत्र स्वर्गीय उमाशंकर कश्यप से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। जनवरी 2025 में आरोपी सतना आकर एक निजी नौकरी करने लगा। उसने युवती से किराए के कमरे का इंतजाम होने तक उसके घर में रहने की जगह मांगी, जिस पर युवती सहमत हो गई और उसे पहली मंजिल का कमरा दे दिया। 18 जनवरी की रात जब युवती खाना देने कमरे में गई, तो आरोपी ने शादी का वादा कर उससे दुष्कर्म किया। यह सिलसिला लगभग छह महीने तक चला। जून के अंत में जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने उसे धमकी दी और 1 जुलाई को बिना बताए सतना से गायब हो गया। लोकलाज के डर से पीड़िता ने पहले चुप्पी साधे रखी, लेकिन नवंबर 2025 में उसने परिजनों को आपबीती सुनाई और थाने पहुंची। उसके बयान पर रेप और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। तीन महीने की गहन खोजबीन के बाद, पुलिस ने 16 फरवरी को जबलपुर में दबिश देकर आरोपी सोनू कश्यप को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद केंद्रीय जेल भेज दिया गया है।

मामी के साथ मिलकर नानी की हत्या,खेत में आपत्तिजनक हालत में देख लिया था

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामपुर बाघेलान में अवैध संबंधों को छिपाने के लिए एक नाती ने अपनी मामी के साथ मिलकर 65 वर्षीय नानी की हत्या कर दी। दोनों को खेत में आपत्तिजनक स्थिति में नानी ने देख लिया था, जिसके बाद राज खुलने के डर से उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस ने सोमवार को इस अंधे कत्ल (ब्लाइंड मर्डर) का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें सेंट्रल जेल भेज दिया गया है। टीआई संदीप चतुर्वेदी ने बताया कि मृतिका रुक्मणि (पति स्वर्गीय भृगुपति रावत) निवासी झिरिया टोला-देवमऊ, 5 फरवरी की शाम को घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। अगले दिन गांव से कुछ दूरी पर एक खेत की मेड़ में झाड़ियों के पीछे रुक्मणि का शव मिला। उनके गले, चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर 7 फरवरी को पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट में मारपीट और गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मुखबिरों और साइबर टीम की मदद से सुराग जुटाए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।